www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा एक्शन जरूरी

थाईलैंड को दो दिन में दूसरा प्रधानमंत्री मिला 06

वर्ष :17 | अंक :93 | प्रयागराज , शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एम्स ट्रॉमा सेंटर में लगी आग, मची अफरा-तफरी, आठ दमकल की गाड़ियों ने पाया काबू

दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में गुरुवार को एक ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई, जिसके बाद आपातकालीन सेवाओं को तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए पांच दमकल गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारी ने कहा कि अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने एक बयान में कहा कि हमें दोपहर 3:34 बजे एम्स ट्रॉमा सेंटर में एक इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट और आग लगने की सूचना मिली। हमने आठ दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। दोपहर 3:55 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। कोई भी घायल नहीं हुआ। पिछले महीने दिल्ली उच्च न्यायालय ने ग्रीन पार्क एक्सटेंशन और आसपास के इलाकों में जलभराव को रोकने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परिसर में सीवर लाइन की जरूरत बताई थी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ इलाके में जलभराव के मुद्दे पर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

स्टेट लेबल कबड्डी चैम्पियन बृजेश सोलंकी की कुत्ते के काटने से दर्दनाक मौत, नहीं लगवाया था एंटी-रेबीज टीका

उत्तर भारत से दिल दहला देने वाली लेकिन चिंताजनक खबर सामने आई है, एक राज्य स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी की रेबीज से मौत हो गई। उसे कथित तौर पर एक आवारा पिल्ले ने काट लिया था, जिसे उसने नाले से बचाया था। उत्तर प्रदेश के 22 वर्षीय उभरते कबड्डी खिलाड़ी बृजेश सोलंकी को मौत से कुछ दिन पहले ही रेबीज के लक्षण दिखने लगे थे। राज्य चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता और प्रो कबड्डी लीग के संभावित खिलाड़ी बृजेश को एक आवारा पिल्ले ने काट लिया था, जिसके बाद उसे एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं मिली थी, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। ऐसा नवीनतम रिपोर्टों में बताया गया है। सोलंकी के परिजनों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र के फराना गांव के निवासी सोलंकी को दो माह पहले एक पिल्ले ने काट लिया था, लेकिन उसने इसे गंभीरता से नहीं लिया जिसके बाद 28 जून को उसकी तबीयत बिगड़ गई। सोलंकी के भाई संदीप ने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन काफी प्रयास के बावजूद बचाया नहीं जा सका। कबड्डी खिलाड़ी तीन भाइयों में सबसे छोटा था। संदीप ने बताया, करीब दो महीने पहले, एक पिल्ला नाले में फंस गया था। उसे बचाने की कोशिश में पिल्ले ने बृजेश की उंगली पर काट लिया।

लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है

घाना की संसद में बोले पीएम मोदी

संबोधन

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है...भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा किस भारत लोकतंत्र की जननी है। हमारे लिए लोकतंत्र महज एक व्यवस्था नहीं है; यह हमारे मौलिक मूल्यों का हिस्सा है। लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है। भारत में 2,500 से ज्यादा राजनीतिक दल हैं, 20 अलग-अलग पार्टियाँ अलग-अलग राज्यों पर शासन करती हैं, 22 आधिकारिक भाषाएँ हैं, हजारों बोलियाँ हैं।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है...भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि आज सुबह मुझे हमारे दूरदर्शी और राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घाना गणराज्य की संसद को संबोधित किया। घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना को प्रसारित करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में, मैं अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूँ। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी मिट्टी के नीचे जो कुछ है, बल्कि आपके दिल में जो गर्मजोशी और ताकत है, उसके लिए भी। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें उन अतिरंजित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं जो हमें अलग रखती हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहते हैं। यही वजह है कि भारत आने वाले लोगों का हमेशा खुले दिल से स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत और घाना के इतिहास में औपनिवेशिक शासन के निशान हैं, लेकिन हमारी आत्मा हमेशा स्वतंत्र और निडर रही है। हम अपनी समृद्ध विरासत से शक्ति और प्रेरणा प्राप्त करते हैं... हमारी दोस्ती आपके प्रसिद्ध शुगर लोफ अनानास से भी अधिक मीठी है। मोदी ने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसे नए और जटिल संकटों का भी सामना कर रही है। पिछली सदी में बनाए गए संस्थान जवाब देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बदलती परिस्थितियाँ वैश्विक शासन में विश्वसनीय और प्रभावी सुधारों की मांग करती हैं।

घाना की विकास यात्रा में भारत सिर्फ साझेदार नहीं बल्कि सह-यात्री है

कर्ज में डूब रहे किसान, लेकिन मोदी सरकार बेफिक्र

राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि सोचिए..सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार? चुप है। बेरुखी से देख रही है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि वह किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है, जबकि किसान दिन-प्रतिदिन कर्ज में डूबते जा रहे हैं। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सरकार पर किसानों की कर्ज माफी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार? चुप है। बेरुखी से देख रही है। उन्होंने आगे लिखा कि किसान हर दिन कर्ज.में और गहराई तक डूब रहा है - बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है.. लेकिन टरढ की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज.माफी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए - अनिल अंबानी का 48,000 करोड़ का रइक फ्रॉड । सरकार पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे - आज हाल ये है कि अन्नदाता की ज़िंदगी ह ी आधी हो रही है। ये सिस्टम किसानों को मार रहा है - चुपचाप, लेकिन लगातार और मोदी जी अपने ही ढफ का तमाशा देख रहे हैं। बुधवार को विपक्षी सदस्यों ने राज्य में किसानों की आत्महत्या और सोयाबीन की खेती करने वाले किसानों को बकाया भुगतान न किए जाने के मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा से दो बार वॉकआउट किया। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने विधानसभा में दावा किया कि इस साल जनवरी से मार्च के बीच महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या की। उन्होंने कहा कि 200 मामलों को सहायता के लिए अयोग्य घोषित किया गया

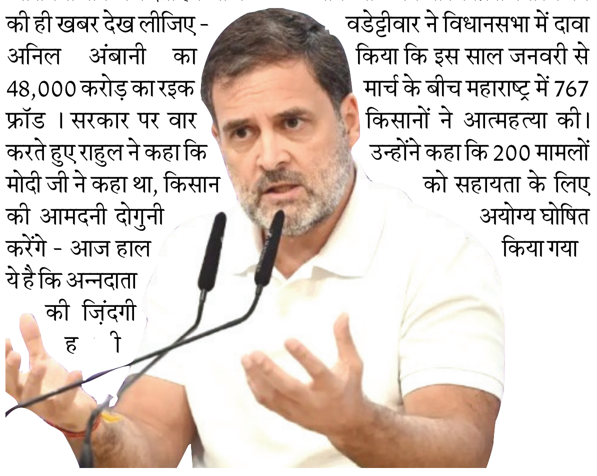

आत्मनिर्भरता की ओर एक सरकार और बड़ा कदम

रक्षा मंत्रालय ने दी 1.05 लाख करोड़ की खरीद को मंजूरी

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये सभी खरीद स्वदेशी रूप से की जाएंगी, जिससे रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

एजेंसी

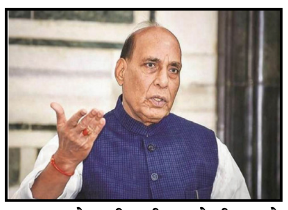

रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार को लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 10 पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये सभी खरीद स्वदेशी रूप से की जाएंगी, जिससे रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भर भारत' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। इन स्वीकृतियों में रक्षा संबंधी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। बयान में कहा गया है कि खरीद के लिए स्वीकृत की गई प्रमुख वस्तुओं में बख्तरबंद रिकवरी वाहन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत कॉमन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं। इन प्रणालियों का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों की गतिशीलता, वायु रक्षा क्षमताओं और रसद दक्षता को बढ़ाना है, जिससे अंततः उनकी समग्र परिचालन तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा। समुद्री सुरक्षा के लिए समर्थन के एक मजबूत प्रदर्शन में, डीएसी ने मूर्ड माइंस, माइन काउंटर मेजर वेसल्स, सुपर रैपिड गन माउंट्स और सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल्स के अधिग्रहण के लिए एओएन भी प्रदान किए।

केजरीवाल ने किया साफ, बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

बोले- इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था

एजेंसी

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं।

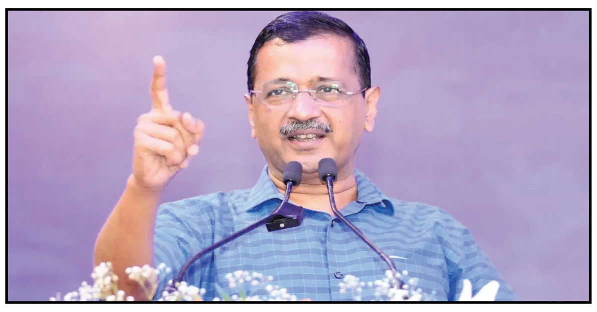

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने विसावदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। भाजपा ने हमें हराने और वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। बाद में, अगस्त 2022 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने एनडीए से नाता तोड़ लिया और आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ सरकार बना ली।

मूल संविधान में नहीं था...

सेक्युलर शब्द पर बहस के बीच शंकराचार्य का बड़ा बयान

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि मूल रूप से संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं था, इसे बाद में जोड़ा गया। यही कारण है कि यह भारतीय संविधान की प्रकृति के अनुरूप नहीं है और इस मुद्दे को बार-बार उठाया जाता है।

एजेंसी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने गुरुवार को भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द को लेकर अहम बयान दिया। शंकराचार्य ने कहा कि यह शब्द मूल रूप से भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं था, बल्कि इसे बाद में जोड़ा गया। उनके अनुसार यह शब्द संविधान की मूल प्रकृति से मेल नहीं खाता, यही वजह है कि यह अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि मूल रूप से संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं था, इसे बाद में जोड़ा गया। यही कारण है कि यह भारतीय संविधान की प्रकृति के अनुरूप नहीं है और इस मुद्दे को बार-बार उठाया जाता है। अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के अनुसार कि धर्म का अर्थ है सही और गलत के बारे में सोचना और सही को अपनाना और गलत को अस्वीकार करना।

हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव को दिया झटका

डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन का प्रसारण नहीं करने का आदेश

- हाईकोर्ट ने कहा था कि बाबा रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं और अपनी ही दुनिया में रहते हैं.
- जस्टिस मिनी पुष्करणा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये अंतरिम आदेश जारी किया।

एजेंसी

नई दिल्लीः दिल्ली हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव को झटका दिया है. हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को निर्देश दिया है कि वो डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन का प्रसारण नहीं करें. जस्टिस मिनी पुष्करणा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये अंतरिम आदेश जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी.याचिका डाबर इंडिया ने दायर किया है. सुनवाई के दौरान डाबर इंडिया की ओर से पेश वकील संदीप सेठी ने आरोप लगाया कि वह बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद अपने विज्ञापनों के जरिये च्यवनप्राश को गलतच तरीके से बदनाम कर रही है. पतंजलि आयुर्वेद अपने विज्ञापनों के जरिये उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है. सेठी ने कहा कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह बताने की कोशिश की है कि वही एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है. उन्होंने कहा कि कोर्ट ने दिसंबर 2024 में समन जारी किया था, उसके बावजूद पतंजलि ने एक हफ्ते में 6182 भ्रामक विज्ञापन प्रसारित किए थे.डाबर की याचिका में कहा गया है कि पतंजलि आयुर्वेद डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश कर रही है. याचिका में कहा गया है कि पतंजलि के विज्ञापनों में दावा किया गया है कि उसका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है

मंडी में बादल फटने से मरने वालों की संख्या 13 हुई

लापता 40 लोगों की तलाश जारी

अधिकारियों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सड़कें साफ करने के लिए लोगों और मशीनरी को तैनात किया है। एसईओसी ने कहा कि भारी बारिश के कारण राज्य में कुल 261 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं, जिनमें से 186 मंडी जिले में हैं। बाढ़ के कारण 599 ट्रांसफार्मर और 797 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं।

एजेंसी

कुल्लू घाटी में भारी बारिश के कारण हुई तबाही के कुछ दिनों बाद, हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में कई बादल फटने से हुई मूसलाधार बारिश और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कम से कम 13 लोग मारे गए और 34 लापता हैं। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि अब तक 14 शव मिल चुके हैं और करीब 40 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सेराज क्षेत्र को हुआ है, जहां पूरी सड़कें, पुल और घर बह गए हैं। जिले में 140.7 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई - जो औसत 6.9 मिमी से 1,939 प्रतिशत अधिक है। मंडी में औसत मौसमी मानसून वर्षा का लगभग 13 प्रतिशत केवल 24 घंटों में गिर गया, जिससे पूरे जिले में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने क्षेत्र में टीमों को तैनात किया है और बचाव अभियान जारी है।

भविष्यवाणी नीतीश को लेकर प्रशांत किशोर ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

अगर जेडीयू की 25 सीट आई तो छोड़ दूंगा राजनीति

एजेंसी

किशोर ने राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार अभियान के असर को भी खारिज किया और भाजपा को चुनौती दी कि अगर उसे अपनी ताकत पर भरोसा है तो वह सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़े।

नयी दिल्ली। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने एक बड़ी भविष्यवाणी करते हुए आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की वापसी की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि नवंबर के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं होंगे और अगर जेडी(यू) 25 से ज्यादा सीटें जीतती है तो वह राजनीति छोड़ देंगे। 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल (यूनाइटेड) के नेतृत्व वाले एनडीए ने 243 में से 125 सीटें जीतकर मामूली बहुमत हासिल किया। एनडीए के भीतर, बीजेपी अपने सहयोगी से ज्यादा मजबूत होकर उभरी और 74 सीटें जीतीं, जबकि जेडी(यू) ने काफी गिरावट देखी और सिर्फ. 43 सीटें हासिल कीं। किशोर ने राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार अभियान के असर को भी खारिज किया और भाजपा को चुनौती दी कि अगर उसे अपनी ताकत पर भरोसा है तो वह सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के सबसे बड़े नेता हैं और एनडीए के लिए सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं, लेकिन बिहार में उनका प्रभाव सीमित है। किशोर ने न्यूज24 को दिए इंटरव्यू में कहा, देखिए, मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं और बड़े नेता हैं। वह भाजपा के सबसे बड़े नेता हैं। शायद देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। इसलिए यह संभव नहीं है कि मोदी कोई फैक्टर न हों। और वह एनडीए की ओर से सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से वह एक फैक्टर होंगे। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा में भाजपा की हालिया जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए किशोर ने कहा, महाराष्ट्र महाराष्ट्र है। बिहार बिहार है। महाराष्ट्र में भाजपा जीतती रही है। बिहार में वे कभी अपने दम पर जीतने में कामयाब नहीं हुए। हरियाणा में भी यही हुआ। दिल्ली में केजरीवाल को हराना - ठीक है, मैं सहमत हूं। लेकिन ऐसा कोई राज्य नहीं है जहां भाजपा पहले न जीती हो। प्रशांत किशोर ने तीसरी भविष्यवाणी करते हुए कहा कि बिहार के 60 फीसदी से अधिक लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 30-35 साल से बिहार के लोग यही सब देख रहे हैं और अब वह बदलाव चाहते हैं।

पीके ने दावा किया कि लोकसभा में एनडीए को 30 से अधिक सीटें इसलिए आ गई, क्योंकि मोदी-नीतीश से बड़ा फैक्टर लालू यादव हैं। लोग बीजेपी और जेडीयू को इसलिए वोट देते हैं ताकि फिर से लालू यादव सत्ता में ना आए।

केजरीवाल पर कांग्रेस का पलटवार, तारिक अनवर - आप का बिहार में संगठन नहीं, गलतफहमी दूर हो जाएगी

कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हालांकि, सच्चाई यह है कि केजरीवाल की बिहार में कोई वास्तविक संगठनात्मक उपस्थिति नहीं है। हां, वह (बिहार) का दौरा कर रहे हैं, लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद उन्हें अपनी गलतफहमी का एहसास होगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने अरविंद केजरीवाल की टिप्पणी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हम अरविंद केजरीवाल का सम्मान करते हैं। वह वर्तमान में एक पार्टी नेता और एक पार्टी (आप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं, इसलिए उन्हें इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए। अगर वह बिहार का दौरा कर रहे हैं, तो उन्हें कोई नहीं रोक रहा है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी और नेता को अपनी पार्टी की विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए कहीं भी जाने का अधिकार है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि हालांकि, सच्चाई यह है कि केजरीवाल की बिहार में कोई वास्तविक संगठनात्मक उपस्थिति नहीं है। हां, वह (बिहार) का दौरा कर रहे हैं, लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद उन्हें अपनी गलतफहमी का एहसास होगा। भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है, बिहार चुनाव के नतीजे सब कुछ स्पष्ट कर देंगे। आपको बता दें कि केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे।

सम्पादकीय

श्रद्धा और संकल्प की यात्रा, अमरनाथ यात्रा आतंक के विरुद्ध भी एक बहुत बड़ा संदेश देने जा रही

इन मार्गों पर रियल टाइम निगरानी रखने तथा अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए सभी पंजीकृत तीर्थयात्रियों और सेवा प्रदाताओं के लिए आरएफआइडी-आधारित ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है। लाइव फीड के माध्यम से यात्रा मार्ग की चौबीसों घंटे निगरानी द्वारा तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। यात्रा के दोनों बेस कैंप बालटाल और चंदनवाड़ी में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल शुरू किए गए हैं। जम्मू-कश्मीर की हिमालय पर्वत श्रृंखला में 13,000 फुट पर स्थित महादेव का तीर्थ समस्त तीर्थों का सार है। अमरनाथ की पवित्र गुफा में भगवान शंकर ने देवी पार्वती को अमर कथा सुनाई थी। अप्रैल में पहलगाम में पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की बर्बर हत्या के पश्चात आपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाकर एक बड़ा संकेत दिया था। पहलगाम आतंकी हमला जम्मू-कश्मीर को दशकों पीछे धकेलने की भी साजिश थी। इसलिए इस साल की तीर्थयात्रा जम्मू-कश्मीर के सपनों को नया अवसर प्रदान करेगी। इस वर्ष यात्रा से पूरे विश्व को यह संदेश जाएगा कि भारत न केवल जम्मू-कश्मीर के तीव्र विकास के लिए समर्पित, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकियों के अंत के लिए भी दृढ़-संकल्पित है। छह जून को कटरा में भी वही संकल्प नजर आया था। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर स्थित विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का लोकार्पण कर संदेश दिया था कि अब भारत की प्रगति के पहिये नही थमेंगे और आतंकियों के संहार के साथ-साथ विकास का तीव्र प्रसार भी होता रहेगा। जम्मू-कश्मीर के राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ाव के साथ ही यहां 70 साल से भेदभाव से ग्रस्त समाज को मुख्यधारा में लाया गया। पिछले पांच वर्षों में आमूलचूल परिवर्तन, सर्वस्पर्शी और समावेशी विकास के संकल्प ने राज्य की दशा-दिशा बदली है। औद्योगिक निवेश तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर का कायाकल्प हुआ है। सभी के लिए समान आर्थिक अवसर सुनिश्चित किए गए हैं। शासन ने लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया है। ऊर्जा, वित्तीय संसाधन, कृषि एवं किसान, शिक्षा, युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार ने जम्मू-कश्मीर को बड़े लक्ष्य गढ़ने और उन्हें प्राप्त करने की सामर्थ्य प्रदान की है। वक्त ने करवट बदली है और अब आम कश्मीरी आतंकवाद के खिलाफ उठ खड़ा हुआ है। इसके पीछे संयम और धैर्य के साथ जम्मू कश्मीर को आतंक-मुक्त करने के प्रयासों की अहम भूमिका रही है। पहलगाम आतंकी हमले के पश्चात पाकिस्तान के खिलाफ वादी की सड़कों पर आम नागरिकों का गुस्सा इसका संकेत है कि जम्मू-कश्मीर अपनी नई भाग्य रचना कर रहा है।

आज का विचार

अगर आपको अक्सर लगता है कि सफलता आपके हाथ नहीं आ रही है तो शायद अब आपको अपनी कोशिशों में बदलाव लाने की जरुरत है।

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशि : करियरः करियर में आज तरक्की के अच्छे योग हैं. किसी जरूरी यात्रा से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे. बिजनेसः व्यापार में लाभ के संकेत हैं. नई पार्टनरशिप की शुरूआत हो सकती है. धनः आज की आमदनी अच्छी रहेगी लेकिन फिजूल खर्च से बचें.

वृषभ राशि : करियरः ऑफिस में मेहनत रंग लाएगी. काम के प्रति समर्पण दिखेगा. बिजनेसः आज का दिन कारोबारियों के लिए लाभकारी है. विशेषकर क्रिएटिव फील्ड के लोग फायदा उठाएंगे. धनः धन लाभ के योग हैं, लेकिन निवेश में सावधानी रखें.

मिथुन राशि: करियरः करियर में नई जिम्मेदारियों के साथ तरक्की के संकेत हैं. बिजनेसः व्यापारिक साझेदारी से लाभ होगा. प्रॉपर्टी डीलर्स के लिए शुभ समय. धनः धन आगमन के साथ खर्चों पर भी नजर रखें. शिक्षाः पढ़ाई में मन लगेगा, विशेष रूप से लंबे समय से अटके सवाल सुलझेंगे.

कर्क राशि: करियरः काम में मेहनत का फल मिलेगा. प्रमोशन के संकेत हैं. बिजनेसः व्यापार में ग्राहकों की मांग बढ़ेगी. धनः निवेश से लाभ की संभावना, लेकिन सोच-समझकर निर्णय लें.: किसी नए कोर्स की शुरूआत कर सकते हैं.

सिंह राशि: करियरः ऑफिस में नेतृत्व का मौका मिलेगा. आपकी बातों को महत्व मिलेगा. बिजनेसः नए व्यापार की शुरूआत कर सकते हैं, विशेषकर दूसरे राज्य में. धनः धन लाभ के योग बन रहे हैं. शिक्षाः छात्र अपने फोकस और आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगे.

कन्या राशि: करियरः किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर मिल सकता है. बिजनेसः व्यापार में लाभ और ग्राहक दोनों मिलेंगे. धनः सोच-समझकर खर्च करें. मित्रों से निवेश संबंधी सलाह फायदेमंद होगी. शिक्षाः सभी डाउट क्लियर होंगे, शिक्षक का सहयोग मिलेगा.

तुला राशि : करियरः ऑफिस में तारीफ मिलेगी. अधिकारी प्रसन्न रहेंगे बिजनेसः विरोधियों से मुकाबला होगा, लेकिन फायदा भी होगा. धनः खर्चों पर नियंत्रण रखें, खरीदारी में संयम बरतें. शिक्षाः करियर को लेकर वरिष्ठों से मार्गदर्शन मिलेगा.

वृश्चिक राशि : करियरः काम का प्रेशर रहेगा, लेकिन आप उसे संभाल लेंगे. बिजनेसः योजनाओं पर धैर्य से काम करें, जल्दबाजी से बचें. धनः शॉपिंग पर खर्च होगा, बजट का ध्यान रखें. शिक्षाः अध्ययन में ध्यान लगाएं, रिसर्च आधारित काम करें.

धनु राशि : करियरः ऑफिस में प्रमोशन और जिम्मेदारी दोनों मिल सकती हैं. बिजनेसः वाद-विवाद से बचें, ग्राहकों से तालमेल बनाए रखें. धनः रुका हुआ धन वापस मिलेगा. शिक्षाः किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के योग हैं.

मकर राशि : करियरः प्रोफेशनल निर्णय सोच-समझकर लें. बिजनेसः नई प्रॉपर्टी की खरीददारी संभव है. धनः निवेश सोच-समझकर करें, जल्दबाजी से बचें. शिक्षाः पढ़ाई में स्थायित्व की जरूरत है. लव/पारिवारिकः किसी की तबीयत बिगड़ सकती है, चिंता ना करें.

कुंभ राशि : करियरः सहयोगी के लिए आर्थिक मदद करना पड़ सकता है. बिजनेसः नए व्यापारिक आईडिया पर विचार करें. धनः फिजूल खर्च से बचें और सेविंग बढ़ाएं. शिक्षाः स्टूडेंट्स को पढ़ाई में मन लगेगा, रिजल्ट बेहतर होंगे. लव/पारिवारिकः पुराने दोस्त से मुलाकात होगी. उपायः बच्चों को खिलौने भेंट करें.

मीन राशि: करियरः ऑफिस में विविध कार्यों का सामना करना पड़ेगा. बिजनेसः व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए फाइनेंस जरूरी होगा. धनः पैसों से जुड़े मामलों में फायदा मिलेगा. शिक्षाः मेहनत ज्यादा करनी होगी, लेकिन परिणाम सकारात्मक रहेंगे. लव/पारिवारिकः प्रेम संबंधों में मिठास बनी रहेगी. उपायः कुत्तों को बिस्कुट खिलाएं. लकी कलरः गोल्डन

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा एक्शन जरूरी

> भारत सरकार को यह भी साहस जुटाना होगा कि जितने बांग्लादेशी भारत में रह रहे हैं उनके रहने के लिए उसी अनुपात में बांग्लादेश से भूमि मांगे। बांग्लादेश इसके लिए राजी नहीं होगा। ऐसी स्थिति में हमें सख्ती दिखानी। बात आगे बढ़े तो रंगपुर डिवीजन में भूमि लेने से सिलीगुड़ी कारिडोर की समस्या बहुत हद तक सुलझ जाएगी।

पाकिस्तान बांग्लादेशियों की भारत में बड़ी संख्या में घुसपैठ से पैदा समस्याओं के प्रति भारत में दशकों तक सुस्ती दिखाए जाने के बाद अब कुछ जागृति दिखाई दे रही है। कई राज्यों में उनकी धरपकड़ हो रही है और उन्हें वापस बांग्लादेश भेजे जाने के प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली में ही पिछले छह महीनों के दौरान करीब 800 बांग्लादेशी पकड़े गए और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा गया। असम में विशेष तौर से बांग्लादेशियों के विरुद्ध अभियान चल रहा है। असम ने एक आदेश जारी किया है कि जब तक जिला मजिस्ट्रेट सत्यापित नहीं कर देंगे, तब तक किसी को आधार पहचान पत्र नहीं मिलेगा। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा से भी अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ के समाचार आए हैं, फिर भी हमें यह समझना होगा कि जो कार्रवाई हो रही है, वह बांग्लादेशियों की बहुत अधिक संख्या को देखते हुए शून्य है। वैसे तो तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से कुछ लोग बराबर भारत में घुसपैठ करते रहे। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद सोचा गया कि अब घुसपैठ कम हो जाएगी, पर दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। नया देश बनने के बाद भी वहां अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न होता रहा और उनकी स्थिति खस्ताहाल बनी रही। फलस्वरूप हिंदू और मुसलमान, दोनों ही अलग-अलग कारणों से भारत आते रहे। बांग्लादेश के इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट स्टडीज के अनुसार 1951और 1961 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से 35 लाख व्यक्ति गायब हो गए। इसी प्रकार 1961 से 1974 के

बीच 15 लाख व्यक्तियों का भी कुछ पता नहीं चला। ये व्यक्ति हवा में नहीं उड़ गए। ये सब भारत चले आए। बांग्लादेश के बुद्धिजीवियों ने लेबेंस्राम की भी एक थ्योरी चलाई। इसके अनुसार अधिक जनसंख्या के क्षेत्र से कम जनसंख्या के क्षेत्र में लोगों का प्रवाह एक सामान्य प्रक्रिया है और बांग्लादेशियों का भारत जाना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से भारत की किसी भी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स बनाई थीं। इनमें से एक टास्क फोर्स बार्डर मैनेजमेंट यानी सीमा प्रबंधन से संबंधित थी। इसके अध्यक्ष माधव गोडबोले थे, जो बाद में केंद्रीय गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने अगस्त 2000 में भारत सरकार को सौंपी रिपोर्ट में खेद प्रकट किया कि देश में हर पार्टी में इस समस्या के प्रति उदासीनता थी और किसी भी राज्य या केंद्र सरकार ने इसके दुष्परिणामों के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने साफ लिखा कि इस समस्या को लेकर सारी जानकारी और उससे निपटने के पर्याप्त संसाधन थे, पर राजनीतिक वर्ग में समस्या से निपटने के तरीकों में कोई सहमति न होने के कारण निष्क्रियता रही। टास्क फोर्स के आकलन के अनुसार हर महीने करीब 25 हजार यानी प्रतिवर्ष तीन लाख बांग्लादेशी अवैध तरीके से भारत आते रहे और भारत में उनकी कुल संख्या उस समय तक करीब 1.5 करोड़ थी। बांग्लादेश-भारत सीमा पर जैसे-जैसे फेंसिंग लगती गई, घुसपैठियों की संख्या में कमी होती गई। फिर भी बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या भारत में इस समय कम से कम दो करोड़ होगी। 2001 में मंत्रियों के एक समूह ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक रिपोर्ट में स्पष्ट शब्दों में उल्लेख किया कि बांग्लादेश से जो घुसपैठ हो रही है वह देश की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति के लिए एक गंभीर खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2005 में एक फैसले में कहा कि असम में बांग्लादेशियों की घुसपैठ के कारण आंतरिक उथल-पुथल और विदेशी आक्रमण जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है और इस परिस्थिति में भारत सरकार का कर्तव्य बनता है कि असम की सुरक्षा के लिए संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाई करे। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि टास्क फोर्स की रिपोर्ट, मंत्रियों के समूह की चेतावनी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी भारत सरकार की नींद नहीं खुली और स्थिति जस की तस बनी रही। क्या यूपीए सरकार, क्या एनडीए सरकार, किसी ने कुछ नहीं किया। अब जब बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है और शेख हसीना वहां से बचकर भारत में निर्वासित रूप में रह रही हैं और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक ऐसी सरकार का गठन हो गया है, जो भारत विरोधी है, तब सबको लग रहा है कि कुछ करना चाहिए। समकालीन वैश्विक परिदृश्य को देखें तो तमाम देश अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान छेड़े हुए हैं। अमेरिका में विभिन्न देशों से घुसपैठ कर आए हुए सभी व्यक्तियों को जबरन उनके देश वापस भेजा जा रहा है। पाकिस्तान ने भी करीब 13 लाख अफगानों को वापस अफगानिस्तान भेज दिया है। मलेशिया से भी बांग्लादेशियों के विरुद्ध कार्रवाई की खबर आ रही है। ऐसे माहौल में भारत में अवैध तरीके से घुसे बांग्लादेशियों और म्यांमार से रोहिंग्या घुसपैठियों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर कार्रवाई में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। फिलहाल विभिन्न राज्यों में जो कार्रवाई हो रही है, उससे लगता है कि हम शायद कुछ हजार बांग्लादेशियों को ही वापस भेज पाएंगे। बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों के भारत में रहने की स्थिति से हमें समझौता करना पड़ेगा। अगर ऐसा होता है तो हमें तीन बातें सुनिश्चित करनी होंगी। पहली, अवैध रूप से आए बांग्लादेशियों को अलग पहचान पत्र दिए जाएं, जिसके अंतर्गत उन्हें देश में रहने और काम करने की अनुमति हो। दूसरी, वे भारत में अचल संपत्ति न खरीद सकें और तीसरी उन्हें किसी भी चुनाव में वोट देने का अधिकार न हो। भारत सरकार को यह भी साहस जुटाना होगा कि जितने बांग्लादेशी भारत में रह रहे हैं, उनके रहने के लिए उसी अनुपात में बांग्लादेश से भूमि मांगे। बांग्लादेश इसके लिए राजी नहीं होगा। ऐसी स्थिति में हमें सख्ती दिखानी। बात आगे बढ़े तो रंगपुर डिवीजन में भूमि लेने से सिलीगुड़ी कारिडोर की समस्या बहुत हद तक सुलझ जाएगी। गृहमंत्री बार-बार कहते हैं कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि यहां कोई भी घुसा चला आए और यहीं बसेरा बना ले। धर्मशाला तो हमारा देश बन चुका है। देखना यह है कि इस धर्मशाला की सरकार कितनी सफाई कर पाती है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डॉक्टर की नई स्टेथोस्कोप

विजय गर्ग

एआई डॉक्टर वर्कलोड को आसान बनाने, निदान बढ़ाने और देखभाल को सुव्यवस्थित करके भारत की स्वास्थ्य सेवा में क्रांति ला रहा है। प्रमुख अस्पताल श्रृंखला और स्टार्टअप शुरूआती पहचान, आईवीएफ, कैंसर जीनोमिक्स और आईसीयू निगरानी के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। धन वृद्धि और बढ़ती गोद लेने के बावजूद, बड़े पैमाने पर तैनाती के लिए डेटा गवर्नेंस, लागत और सिस्टम तत्परता में चुनौतियां बनी रहती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बढ़ते अस्पताल के रोगी भार और सीमित चिकित्सा कर्मचारियों से जूझ रहे भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए एक अप्रत्याशित सहयोगी के रूप में उभर रहा है। एआई द्वारा बीमा दावों और नैदानिक डेटा को संरचित करने जैसे नियमित कार्यों से निपटने के साथ, डॉक्टरों का कहना है कि उनके पास अब इस बात पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय है कि सबसे अधिक क्या मायने रखता है - 'रोगी

अपोलो, मणिपाल और नारायण हेल्थ जैसी अस्पताल श्रृंखलाएं निदान, जल्दी पता लगाने और यहां तक कि दवा की खोज के लिए एआई उपकरण अपना रही हैं, या तो इन-हाउस तकनीक का निर्माण करके या नए युग के स्टार्टअप के साथ साझेदारी करके। विशेषज्ञों के अनुसार, इनमें से अधिकांश समाधान सर्जरी के बाद की देखभाल को कारगर बनाने और रोगी की सगाई में सुधार करने में मदद कर रहे हैं। भारत का एआई हेल्थकेयर बाजार सालाना 40.6% बढ़ रहा है, जिसमें वर्तमान बाजार का आकार $ 1.6 बिलियन है, नैसकॉम और कंटार ने हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच बढ़ते एआई अपनाने को उजागर किया।

विशेषज्ञों का कहना है कि एआई गोद लेने का उद्देश्य मुख्य रूप से अस्पतालों में परिचालन दक्षता चलाना है, जिससे राजस्व में वृद्धि होती है। उदाहरण के लिए, रेडियोलॉजी विभाग में, एआई उपकरण लगभग 2-3 घंटे के प्रलेखन की बचत करते हुए, वर्कलोड को आधे से अधिक काट सकते हैं।

उद्योग पर नजर रखने वालों ने बताया कि केवल बड़ी अस्पताल श्रृंखलाएं या शैक्षणिक संस्थान वर्तमान में लक्षित भागीदारी के साथ नैदानिक परीक्षणों के लिए एआई तैनात कर रहे हैं। सरकारी अस्पताल एआई के साथ प्रयोग करने के लिए निजी अस्पतालों और प्रौद्योगिकी कंपनियों पर निर्भर हैं।

भारत में एआई के लिए एक बड़ा अवसर स्थानीय भाषाओं में स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ बना रहा है, यह देखते हुए कि पूरे क्षेत्रों में लक्षण कैसे वर्णित हैं अपोलो अपने क्लिनिकल इंटेलिजेंस इंजन का उपयोग कर रहा है, जो परिवेश सुनने के उपकरणों के साथ संयुक्त है, अपने चिकित्सा कर्मचारियों के लिए हर दिन 2-3 घंटे से अधिक प्रलेखन कार्य की बचत करता है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और एलबीएम जैसी बड़ी तकनीकी फर्मों ने एआई- संचालित चिकित्सा उपकरणों को सह-विकसित करने के लिए भारतीय अस्पताल श्रृंखलाओं के साथ भी भागीदारी की है। गूगल एआई- आधारित मधुमेह रेटिनोपैथी का पता लगाने के लिए अरविंद आई हॉस्पिटल के साथ सहयोग कर रहा है, जबकि आईबीएम वॉटसन कैंसर उपचार योजना में मणिपाल अस्पतालों का समर्थन कर रहे हैं। नारायण हेल्थ में, जो कार्डियक केयर में माहिर हैं, परिचालन दक्षता में सुधार और नैदानिक परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए बड़ी भाषा मॉडल (एलएलएम) तैनात किए जा रहे हैं। इसकी प्रमुख परियोजनाओं में से एक आईसीयू में अचानक हृदय संबंधी गिरफ्तारी की भविष्यवाणी करने के लिए एक मशीन लर्निंग मॉडल है। चूंकि आईसीयू एक साथ 60-70 मापदंडों की निगरानी करते हैं, इसलिए उनके बीच बातचीत जटिल हो सकती है। नारायण हेल्थ के ग्रुप चीफ एनालिटिक्स और एआई अधिकारी विवेक राजगोपाल ने कहा, हमारा मॉडल लगातार कार्डियक अरेस्ट रिस्क स्कोर प्रदान करता है और बताता है कि मरीज की हालत क्यों बिगड़ सकती है, जिससे डॉक्टरों को कई घंटे की अग्रिम चेतावनी मिल सकती है। यह उपकरण वर्तमान में चुनिंदा आईसीयू में प्रारंभिक चरण की तैनाती में है। सिर्फ अस्पताल ही नहीं, स्टार्टअप भी तेजी से अस्पतालों और क्लीनिकों के साथ साझेदारी की आशंका वाले एआई-संचालित समाधानों का विकास कर रहे हैं। 2024 में, हेल्थकेयर क्षेत्र ने महत्वपूर्ण कर्षण को देखते हुए निदान, टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य के साथ बाजार खुफिया मंच क्रेडिबल के अनुसार, फंडिंग में 1.13 बिलियन डॉलर जुटाए। अस्पताल और स्टार्टअप साझेदारी 4वेसिकेर, एक बेंगलुरु स्थित सटीक ऑन्कोलॉजी स्टार्टअप, डीएनए और अगली पीढ़ी के अनुक्रमण परीक्षणों की एक श्रृंखला का उपयोग करके दक्षिण एशिया से संबंधित लोगों के लिए सटीक नैदानिक कैंसर उपचार करने के लिए 250 से अधिक अस्पतालों के साथ काम कर रहा है

जो अब तक कोकेशियान या व्हाइट पर आधारित थे लोग। एम्स जम्मू ने कैंसर निदान और उपचार के लिए उन्नत जीनोमिक्स और प्रिसिजन मेडिसिन के लिए एक केंद्र स्थापित करने के लिए स्टार्टअप के साथ भागीदारी की है। स्पोवम टेक्नोलॉजीज, बेंगलुरु, विशेष रूप से आईवीएफ प्रक्रियाओं में सहायता प्राप्त प्रजनन प्रौद्योगिकियों (एआरटी) में परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एआई का उपयोग कर रहा है। विश्व स्तर पर, मैनुअल हैंडलिंग के दौरान लगभग 5% अण्डाणुकोशिका क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।

रोबोआईसीएसआई के साथ, हमने प्रक्रिया के दौरान भ्रूणविज्ञानियों को 200 से अधिक चर में पैटर्न को पहचानने में मदद करके शून्य प्रतिशत अधः पतन का प्रदर्शन किया है स्टार्टअप ने पहले ही 2,000 से अधिक प्रक्रियाओं का समर्थन किया है और यह वर्तमान में पूरे भारत में 41 आईवीएफ क्लीनिकों के साथ काम करता है।

इसी तरह, आईआईटी मद्रास और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित एआई मॉडल गारभिनी-जीए 2 का उद्देश्य भारतीय आबादी के लिए गर्भावस्था के दूसरे और तीसरे तिमाही में गर्भावधि उम्र (जीए) का सटीक अनुमान लगाना है, जिसे पहले कोकेशियान मॉडल का उपयोग करके मापा गया था।

सत्य का अंतिम सत्य साहस और श्रम

संजीव ठाकुर

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि प्रगति पहाड़ झरना नदिया जंगल बुक और प्रकृति द्वारा दिए गए प्रतिशत के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति है और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच, स्पृहा, कामना, कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भाव सागर में कूद पड़ता है परंतु सत्य ही अंतिम सत्य है

परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से अरे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे।

आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक, सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा है व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्व 'स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है। सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है।

यूपी के आम को मिलेगी ग्लोबल पहचान

प्रदेशवासियों को आम की 800 किस्में देखने और चखने का मिलेगा अवसर

- निर्यात को मिलेगा नया आयाम, तकनीकी सत्रों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सज्जित रहेगा महोत्सव
- उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 में प्रवेश आमजन के लिए नि:शुल्क रहेगा

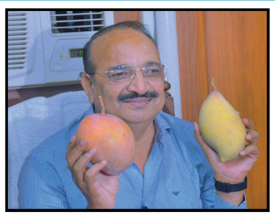

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 को संस्कृति, संस्कार एवं विरासत का अनूठा महोत्सव बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों के बागानों के आमों की किस्मों का प्रदर्शन किया जायेगा। ये महोत्सव प्रदेश के किसानों की समृद्धि के द्वार खोलने तथा उनके जीवन में मिठास लायेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आम एवं आम से बने उत्पादों को देश-विदेश मे भेजने का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय दुगुनी करने के संकल्प को प्रदेश की योगी सरकार किसानों को बीज से लेकर बाजार उपलब्ध कराकर पूरा करने का प्रयास कर रही है। तीन दिवसीय आम महोत्सव का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी लंदन, दुबई के लिए आम के कंटेनर को रवाना करेंगे। उक्त बातें प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने सरकारी आवास में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कही।

श्री सिंह ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में उद्यान विभाग में आमूल-चूल परिवर्तन हुये हैं

फिक्की ने संगम नगरी प्रयागराज में वाटर स्पोर्टस एकेडमी स्थापित करने का रखा प्रस्ताव

स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मंत्री नन्दी ने फिक्की के खेल समिति प्रतिनिधिमंडल के साथ की बैठक

- मंत्री नन्दी ने हर सम्भव मदद का दिया आश्वासन
- स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री पार्क के साथ स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाने के आए सुझाव

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने पिकप भवन लखनऊ में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (फिक्की) के खेल समित्ति प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। जिसमें उत्तर प्रदेश को स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में एक ठोस और दूरगामी पहल के साथ विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में डॉ. कनिष्क पांडेय फिक्की खेल उप समिति उत्तर प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष, अर्निबन दत्ता अपर निदेशक फिक्की खेल समिति एवं रचना गोविल सह अध्यक्ष फिक्की खेल उप समिति उत्तर प्रदेश चैप्टर ने मेरठ की स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री को ग्लोबल लेबल पर अलग पहचान दिलाने, प्रदेश में स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। फिक्की के पदाधिकारियों ने मंत्री नन्दी को बताया कि उन्होंने पिछले दिनों मेरठ के स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री से जुड़े उद्यमियों के साथ बैठक की। जिसमें उद्यमियों द्वारा कई समस्याएं बताई गई साथ ही सुझाव भी दिए गए। प्रतिनिधिमंडल ने स्पोर्टस इण्डस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री पार्क बनाए जाने के सुझाव दिए। जिसके लिए मेरठ, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर के साथ ही अन्य जनपदों में भूमि की उपलब्धता पर चर्चा हुई। फिक्की के पदाधिकारियों ने संगम नगरी प्रयागराज में वाटर स्पोर्ट्स एकेडमी को स्थापित करने, वाटर स्पोर्ट्स के साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के सामने रखा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि धर्म, आस्था के साथ ही पर्यटन का प्रमुख केंद्र होने के कारण संगम नगरी प्रयागराज में वाटर स्पोर्टस को विकसित करने की बेहतर सम्भावनाएं हैं। जिस पर मंत्री नन्दी ने प्रयागराज के बोट क्लब के साथ ही अन्य घाटों को वाटर स्पोर्ट्स के लिए बेहतर बताया। साथ ही इस प्रस्ताव को धरातल पर लाने में हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। सचिव इन्वेस्ट यूपी विजय किरण आनन्द ने कहा कि यदि स्पोर्ट्स इण्डस्ट्री के लोग आगे आएं तो स्पोर्टस इण्डस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्टर्स पॉलिसी भी बनाई जा सकती है. जो उद्यमियों के लिए काफी लाभदायक साबित होगी।

फास्ट ट्रैक

मण्डलायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कौड़िहार का किया औचक निरीक्षण

- मण्डलायुक्त ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर जतायी कड़ी नाराजगी, अधीक्षक को कार्य प्रणाली व व्यवस्थाओं में सुधार लाने के दिए निर्देश
- ओ०पी०डी० में मरीजों के बैठने, पीने के पानी, साफ-सफाई सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत के द्वारा गुरूवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कौड़िहार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इमरजेन्सी कक्ष में गंदगी एवं महिला वार्ड में पंखा अक्रियाशील पाया गया। महिला वार्ड में कोई भी महिला भर्ती नहीं पाई गयी। एन०वी०एस०यू० से सन्दर्भित दो बच्चों से मोबाइल से पूंछे जाने पर उन्होंने बताया कि एन.आर.सी. में सन्दर्भित किया गया था, जहां उनके बच्चों का इलाज चल रहा है। सी०एच०सी. में अंकित आकस्मिक ड्यूटी रोस्टर अद्यतन न पाये जाने एवं एक्स-रे कक्ष में एक्स-रे टेक्निशियन का कार्य बाहरी व्यक्ति के द्वारा किये जाने पर मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि भविष्य में अस्पताल में कोई भी बाहरी व्यक्ति कार्य करते हुए न मिले, नहीं तो सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। निरीक्षण के दौरान श्रीमती वन्दना सिंह एक्स-रे टेक्नीशियन अनुपस्थित पायी गयी, परन्तु उपस्थिति पंजिका में उनके द्वारा हस्ताक्षर किया पाया गया, जिसपर मण्डलायुक्त ने उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए है। डा० फिरोज आलम, चिकित्साधिकारी दिनांक 01 जुलाई, 2025 से अनुपस्थित चल रहे हैं। स्टाफ नर्स श्रीमती सर्वदा यादव अनुपस्थित पाई गई, सम्बंधित के द्वारा बताया गया कि श्रीमती सर्वदा यादव कॉल्विन चिकित्सालय में अटैच है, जिसपर मण्डलायुक्त ने अटैच की आदेश कॉपी प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है। मंडलायुक्त ने अस्पताल की व्यवस्था पर असन्तोष व्यक्त करते हुये अधीक्षक को अपनी कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए है, सुधार न होने पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। मण्डलायुक्त ने जननी सुरक्षा योजना के तहत भुगतान की प्रगति की जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि जननी सुरक्षा योजना में 80 प्रतिशत लाभार्थियों को भुगतान किया जा चुका है, शेष भुगतान भी शीघ्र किया जायेगा। अस्पताल में पैदा हुये समस्त बच्चों को हेपेटाइटिस बर्थडोज एवं विटामिन ह्यकेह्न दिया जाना सुनिश्चित करें। महिला वार्ड में पंखा इन्वर्टर से कराया जाना तथा ओ०पी०डी० में मरीजों के बैठने व पीने के पानी की व्यवस्था कराये जाने के लिए निर्देशित किया। टीकाकरण सत्रों का यूविन पोर्टल के माध्यम से ड्यू लिस्ट तैयार किया जाना व दी गई सेवाओं का अपडेशन भी सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा। अस्पताल में बी०एम०डब्ल्यू व इन्फेक्शन प्रिवेन्शन का अनुपालन किया जाये। निरीक्षण के दौरान अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व मण्डलीय एन० एच० एम० टीम उपस्थित थी।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत घर में घुसकर चोरी करने के अभियोग से सम्बन्धित आरोपी को करायी गई जेल में बितायी गई अवधि एवं 3000/- के अर्थदण्ड की सजा

श्रीमान पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान ह्लऑपरेशन कन्विक्शनह्व के तहत ₹पीयूष मोर्डियाा₹ अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन व ₹आर.पी.सिंह₹ पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के नेतृत्व में ह्लसोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में महिला सम्बन्धित अपराध सहित लूट, हत्या, डकैती, धर्म परिवर्तन, गोवध अधिनियम व अन्य जघन्य अपराधों में प्राथमिकता के आधार पर लगातार गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन की सशक्त एवं प्रभावी पैरवी करायी जा रही है । उक्त अभियान के क्रम में थाना विन्ध्याचल पर घर में घुसकर चोरी करने से सम्बन्धित पंजीकृत अभियोग में पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए गवाहों को मा0न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर गवाही कराई गई ।

डॉ. शिखा दरबारी को लंदन में हाउस ऑफ कॉमन्स में चेंजमेकर इन स्किल डेवलपमेंट अवार्ड से किया गया सम्मानित

भारत संवाद

'लंदन समिट एंड अवॉड्र्स 2025' नामक एक अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन लंदन स्थित हाउस ऑफ कॉमन्स में किया गया। इस अवसर पर भारतीय राजस्व सेवा की अधिकारी डॉ. शिखा दरबारी को चेंजमेकर इन स्किल डेवलपमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वंचित छात्राओं को निरंतर कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए दिया गया। डॉ. शिखा दरबारी एक प्रतिष्ठित सिविल सेविका हैं, जो प्रयागराज से संबंध रखती हैं और उन्होंने रसायन विज्ञान में पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की है। वह प्रयागराज में मुख्य आयकर आयुक्त के पद पर कार्यरत रह चुकी है। इस कार्यक्रम में यूके के सांसद एवं मंत्री श्री पॉल स्क्यूली, पूर्व भारतीय सांसद श्री के.सी. त्यागी, डॉ. हरि ओम त्यागी (चेयरमैन, ऑब्जर्वर डॉन) और यूके के पूर्व सांसद श्री वीरेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं ऑब्जर्वर डॉन के चेयरमैन डॉ. हरि ओम त्यागी ने बताया कि उनका संगठन विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें समाज के प्रति उनके योगदान के लिए सम्मानित करता है।

नाजरेथ अस्पताल ने 1 जुलाई 2025 को अपने चिकित्सकों के प्रति बडे. उत्साह एवं हार्दिक कृतज्ञता के साथ राष्ट्रीय चिकत्सक दिवस मनाया

भारत संवाद

नाजरेथ अस्पताल ने 1 जुलाई 2025 को अपने चिकित्सकों के प्रति बडे. उत्साह एवं हार्दिक कृतज्ञता के साथ राष्ट्रीय चिकत्सक दिवस मनाया। समारोह की शुरूआत स्कूल ऑफ नर्सिंग सभागार में रात 08:30 बजे हुई, जहाँ चिकित्सक, कर्मचारीगण तथा आमंत्रित अतिथियों ने जीवन शुरक्षा, स्वास्थ्य एवं जन कल्याण को बढ़ावा देने में चिकित्सकों की महान सेवा का सम्मान करने के उद्देश्य से एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरूआत नर्सिंग स्टाफ द्वारा प्रस्तुत एक भावपूर्ण प्रार्थना गीत से हुई, जिसमें सभी चिकित्सकों के लिए आशीर्वाद की प्रार्थना की गयी तथा उनके अटूट समर्पण एवं निःस्वार्थ सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत करने के लिए एक शांत धुन के माध्यम से श्रद्धापूर्ण वातावरण बनाया गया। नाजरेथ अस्पताल के प्रशासक रेव्ह फादर इसीडोर डीसूजा ने स्वागत भाषण दिया एवं सभी चिकित्सकों व उपस्थितजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से संकट के समय चिकित्सकों की अमूल्य भूमिका पर प्रकाश डाला तथा मरीजों की देखभाल में उनके अतुल्य प्रयासों की प्रशंसा की। केक काटने का समारोह इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण था। इस अवसर के लिए विशेष केक की व्यवस्था की गयी थी, जिसे उपस्थित सभी चिकित्सको ने सम्मिलित रूप से केक काटा। जो एकता, सम्मान एवं स्वास्थ्य सेवा में एक टीम भावना का प्रतीक था। महाधर्माध्यक्ष लुईस मस्कारेनहास, अध्यक्ष, नाजरेथ अस्पताल, प्रयागराज, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नाजरेथ अस्पताल के निदेशक रेव्ह फादर विपिन डिसूजा ने भी समस्त चिकित्सकों को अपनी शुभकामनाएं दीं। आपने ने चिकित्सकों के निःस्वार्थ सेवा योगदान को सहर्ष स्वीकार किया। चिकित्सा व्यवसाय की गरिमा बनाए रखने में उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की एवं उनके समार्थ्य एवं विवेक को बनाये रखने के लिए आशीर्वाद दिया। औपचारिक कार्यक्रम के उपरांत संगीत संध्या का आयोजन हुआ, जिसने सभी जनों को प्रफुल्लित किया। कार्यक्रम में सभी स्टाफ एवं अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अस्पताल के स्टाफ ने अपनी संगीत प्रतिभा के माध्यम से इस कार्यक्रम को और भी रंगीन एवं मनोहारी बना दिया। कार्यक्रम का समापन स्नेहभोज के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितजनों के लिए भोजन की सुरुचि व्यवस्था की गयी थी। यह एकता, मेलजोल एवं आपसी सौहार्द का अवसर बना, जिसमें विभिन्न विभागों के लोगों ने आपस में एक-दूसरे के साथ संवाद एवं सौहार्द साझा किया।

कंटेनरों में सीमेंट लोड करने की सुविधा के साथ बल्क सीमेंट मूवमेंट ने एक नए युग में किया प्रवेश

भारत संवाद

नई दिल्ली, कंटेनरों में सीमेंट लोड करने की सुविधा के साथ बल्क सीमेंट मूवमेंट ने एक नए युग में प्रवेश किया है। कॉनकॉर ने थोक सीमेंट को बैग के स्थान पर लूज (खुली) में परिवहन की सुविधा के लिए पहली बार विशेष टैंक कंटेनर उपलब्ध करवा कर भारत में सीमेंट लॉजिस्टिक्स को बदलने में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। आंध्र प्रदेश के मेलचेरुवु में माई होम सीमेंट साइडिंग (एमएमएचएम) से बैंगलोर में कॉनकॉर आईसीडी व्हाइटफील्ड तक इन विशेष टैंक कंटेनरों की वास्तविक समय की आवाजाही सफलतापूर्वक शुरू हो गई है। यह पहल भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को अभिनव और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे के निरंतर प्रयासों में एक और मील का पत्थर है। इन टैंक कंटेनरों को रेल नेटवर्क के माध्यम से सीमेंट के कुशल, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल मूवमेंट को सक्षम करके सीमेंट उद्योग का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे पारंपरिक बैग वाले परिवहन पर निर्भरता काफी कम हो जाती है। यह न केवल सीमेंट कंपनियों की परिचालन दक्षता को बढ़ाता है बल्कि भारत के हरित और मल्टीमॉडल

लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप भी है। अपनी मजबूत अवसंरचना और बहुविध क्षमताओं का लाभ उठाकर, कॉनकॉर उद्योगों को अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधानों से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लागत प्रभावी और पर्यावरण के लिए जिम्मेदार हैं।

हरियाणा के गुरुग्राम में दो दिवसीय आयोजित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्थानीय निकायो के अध्यक्षों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन में, प्रयागराज के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने प्रतिभाग किया

भारत संवाद

महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय 'राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन' में प्रतिभाग किया। इस सम्मेलन में देश भर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों ने भाग लिया और शहरी विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। 'राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों (वछइ२) के अध्यक्षों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन' में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी रहे। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष जी ने अपने संबोधन के में कहा स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र का मजबूत आधार है, इसके प्रतिनिधियों से जनता का सीधा संवाद होता है, जिससे आमजन लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्यक्ष भागीदार बनता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इसमें जमीनी स्तर पर लोगों की कठिनाइयों और जरूरतों को समझते हुए नीतियाँ बनाने का अवसर मिलता है; और जब नीतियाँ जनभागीदारी से बनती हैं, तभी उनका लाभ व्यापक रूप से मिल पाता है आज आवश्यकता है कि नगर निकायों की बैठकें हमारी समृद्ध लोकतांत्रिक परम्परा को आगे बढ़ाएं। नगर निकायों की बैठकों का संचालन मर्यादित और नियमबद्ध हो, नियमित हो। उनमें प्रश्नकाल और शून्यकाल का प्रावधान हो, ताकि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के मुद्दे उठा सकें। कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके, पारदर्शिता लाई जा सके और प्रशासनिक कार्यों की प्रभावी निगरानी हो। मैंने देखा है कि कई नगर पालिकाओं, परिषदों और निगमों में साल भर तक बैठकें नहीं होतीं। कभी-कभी केवल बजट बैठक होती है, वो भी मात्र आधे घंटे में हंगामे के साथ स्थगित हो जाती है। यह लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा नहीं है। बैठकें दिनभर चलें, हर प्रस्ताव और योजना पर गंभीर विचार हो। एजेंडा पहले से तैयार हो और अगली बैठक में उसकी कार्यवाही की समीक्षा हो कि उसके क्या परिणाम निकले। बजट पर भी व्यापक चर्चा हो, ताकि जनता के हित में योजनाएं बनें और उनका प्रभाव धरातल पर दिखे। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब संवाद, भागीदारी और जवाबदेही की परम्परा हर स्तर पर कायम रहेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी ने कहा संवैधानिक लोकतंत्र के सशक्तिकरण, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के निर्माण में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि यह आयोजन शहरीकरण के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय शहरी निकायों के कामकाज और दायित्व की दिशा में क्रांतिकारी सिद्ध होगा।

आगमन

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर दिव्य आशीर्वाद प्राप्त किया

गायक हंसराज रघुवंशी जी एवं उनकी जीवनसंगिनी श्रीमती कोमल सकलानी, रघुवंशी जी का परमार्थ निकेतन में दर्शनार्थ आगमन

- विश्व शान्ति हेतु समर्पित की आहुतियाँ
- विश्व विख्यात परमार्थ गंगा आरती में किया सहभाग
- गंगा तट पर गूंजीं भक्ति की स्वर लहरियाँ
- शिव कैलाशों के वासी, धौली धारों के राजा, शंकर संकट हरना, मेरा भोला है भंडारी, करता नंदी की सवारी, भोले और महादेवा आदि भजनों से किया मंत्रमुग्ध

भारत संवाद

ऋषिकेश। सुप्रसिद्ध भक्ति संगीत गायक श्री हंसराज रघुवंशी जी अपनी जीवनसंगिनी श्रीमती कोमल सकलानी, रघुवंशी जी के साथ परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के दर्शनार्थ पधारे। आध्यात्मिकता, शांति, भक्ति और प्रकृति से ओत-प्रोत इस दिव्य स्थल पर पहुँचते ही उन्होंने आध्यात्मिक प्रमुख, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने उन्हें रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और कहा, जैसे रुद्राक्ष आध्यात्मिक उर्जा और महाकाल का प्रतीक है, वैसे ही आप अपनी भक्ति भरी वाणी से जनमानस में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी को संगीत के माध्यम से आध्यात्मिकता से जोड़ना एक अद्भुत सेवा है।

स्वामी जी ने कहा कि हंसराज जी की भक्ति संगीत शैली न केवल मन को शांत करती है, बल्कि आत्मा को जागृत करती है। आज जब युवा वर्ग आधुनिकता की अंधी दौड़ में उलझा हुआ है, ऐसे में आपका भक्ति संगीत एक उजास की किरण है, जो युवाओं को धर्म, संस्कृति और जीवन मूल्यों की ओर आकर्षित करता है।

हंसराज जी जैसे कलाकार अपने सुरों से दिलों को जोड़ते हैं। जहाँ सुर, संकल्प और संस्कार एक हो जाएँ, वहाँ ईश्वर स्वयं प्रकट होते हैं। हंसराज जी जैसे कलाकारों की यात्रा केवल संगीत की नहीं, बल्कि संस्कृति और सेवा की यात्रा है। यही सच्चा परमार्थ है।

गायक श्री हंसराज रघुवंशी जी अपनी धर्मपत्नी श्रीमती श्रीमती कोमल सकलानी रघुवंशी जी साथ विश्व प्रसिद्ध परमार्थ गंगा आरती में सहभागी बने। परमार्थ गंगा के तट पर संध्या की स्वर्णिम बेला में जब दीपों की रौशनी में श्री हंसराज जी के भजनों की ध्वनि गूंज, उन्होंने अपनी मधुर वाणी में शिव कैलाशों के वासी, धौली धारों के राजा, शंकर संकट हरना, प्रसिद्ध भजनों को सस्वर गाकर पूरे वातावरण को शिवमय बना दिया।

उनकी स्वर लहरियों से पूरा गंगा तट भक्तिरस में डूब गया। उपस्थित श्रद्धालुओं, भक्तों और देश-विदेश से आये पर्यटकों ने मंत्रमुग्ध होकर उनकी प्रस्तुति का आनंद लिया। गंगा जी का तट, पूरा वातावरण दिव्य और भावमय हो गया। श्री हंसराज रघुवंशी जी ने कहा, परमार्थ निकेतन आकर जो आत्मिक शांति मिली, वह शब्दों में बयान नहीं की जा सकती।

28 जुलाई को पठानकोट कैंट से दक्षिण भारत की पुण्ययात्रा पर रवाना होगी भारत गौरव ट्रेन

भारत संवाद

पठानकोट से दक्षिण भारत के लिए चलेगी भारत गौरव ट्रेन

दक्षिण भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा की चाह रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए भारत गौरव ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है। यह विशेष रेलगाड़ी आगामी 28 जुलाई को दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा पर रवाना हो रही है। 13 दिवसीय यह भव्य यात्रा पठानकोट कैंट स्टेशन से शुरू होगी और यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन जैसे दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराएगी। जो आध्यात्मिक अनुभव, सुविधा और किफायती दरों का अनूठा संगम होगी।

इस ट्रेन की शुरूआत पठानकोट कैंट स्टेशन से होगी। इसके प्रमुख बोर्डिंग पॉइंट में जालंधर सिटी, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला कैंट, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, आगरा कैंट और ग्वालियर शामिल हैं। कुल मिलाकर यह यात्रा 12 रात और 13 दिनों की होगी, जिसकी वापसी 9 अगस्त को तय की गई है।

यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में सीटें- स्लीपर क्लास (640 सीटें), 3अउ स्टैंडर्ड (70 सीटें), और 2अउ कम्फर्ट (50 सीटें) उपलब्ध हैं। वहीं किराया भी काफी किफायती रखा गया है। स्लीपर क्लास 30,135, 3AC 43,370 और 2AC 57,470 प्रति व्यक्ति (सभी दरें जीएसटी सहित)। इस पैकेज में ट्रेन टिकट के साथ-साथ दैनिक भोजन, आरामदायक आवास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एसी/नॉन-एसी बस, टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सकीय सुविधा आदि शामिल हैं।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाली इस यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालु न केवल दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों के दर्शन कर पाएंगे, बल्कि यात्रा के दौरान भारतीय रेल की ओर से सुनिश्चित की गई सुविधाएं और व्यवस्थाएं उन्हें एक सहज और भावपूर्ण अनुभव भी प्रदान करेंगी।

अधिक जानकारी या रिजर्वेशन के लिए www. irctctourism. com अथवा चंडीगढ़ कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

स्थापना से पूर्व राधा कृष्ण एवं शिव परिवार की मूर्तियों को नगर भ्रमण कराया

आकाश शर्मा, भारत संवाद

अलीगढ़ः कस्बे के दो मंदिरों पर प्राण प्रतिष्ठा के बाद स्थापित होने वाली राधा कृष्ण एवं शिव परिवार की मूर्तियों को शोभा यात्रा के दौरान भव्य रूप से नगर भ्रमण कराया गया, इस दौरान मूर्तियों को डोले में सजाकर बैंड बाजों एवं डी जे के साथ नगर भ्रमण कराया गया जहां कस्बे के समस्त मंदिरों पर भी पूजा अर्चना की गई। नगर भ्रमण प्रमुख समाजसेवी व भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप चंदेल दादा व उनके बड़े भाई नीरज चंदेल जेलर के नेतृत्व में किया गया जिसमें सैकड़ो युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों में हिस्सा लिया। बता दें कि राधा कृष्ण की भव्य मूर्तियों को चंदेल कालोनी के बड़े मंदिर पर स्थापित किया जाएगा जबकि शिव परिवार को बाल्मिक मौहल्ले में बनाए गए नवनिर्मित मंदिर पर स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख लोगों में नगर पंचायत सभासद एवं युवा भाजपा नेता रविकांत महेश्वरी सहित बाल्मिक युवा विकास समिति के अध्यक्ष सोनपाल सिंह के अलावा रिंकू सिंह, नाहर सिंह, अशोक कुमार, अभिषेक कुमार, दिलीप कुमार, रामदास, मुनेश कुमार, राकेश कुमार व उमेश कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

जीआईएस सर्वे का सर्वदलीय संघर्ष समिति ने किया विरोध

भारत संवाद

सहारनपुर। सर्वदलीय संघर्ष समिति के कार्यालय में नगर निगम के अनुचित कृत्यों के विरोध में एक मीटिंग बुलाई गई। संस्था के अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि नगर निगम द्वारा किये गये जीआईएस (जोगरफिकल इन्फोरमेशन सिस्टम) के सर्वे के माध्यम से हाउस टैक्स बढ़ा दिया गया जो 10 गुणा, 20 गुणा 50 गुणा तक कर दिया गया जीआईएस प्रथमहष्टया भौतिक सत्यापन एक्यूरेट नही करता परन्तु विभाग द्वारा बिना सत्यापन किये हाउस टैक्स, वाटर टैक्स एवं सीवर टैक्स के बिल भेजकर जनता को हलकान कर दिया है एवं उत्पीडन चरम सीमा पर है। यहां तक की काली वर्दी वाले रोबोर्ट जिनमें बुद्धि नाम कोई चीज नही है प्रवर्तन दल कहलाता है व्यापारियों के साथ मारपीट करते है कारोबारियों की दुकानें सील करते है जनता को खुली चुनौती देते है सुबह-शाम धन एकत्रित करते है। नगर निगम जीआइएस सर्वे के नाम पर लूट खसोट कर सहारनपुर के नागरिकों से असवैधानिक वसूली की जा रही है यहां तक की गरीब ठेली वालों एवं सडक किनारे छापा पटरी लगाने वालों से प्रवर्तन दल गुन्डागर्दी काली वर्दी दिखाकर धन एकत्रित कर रहा है व्यापारियों के साथ मारपीट डराना धमकाना प्रतिष्ठान सील करना एक आम बात हो गई है। जिसके विरूद्ध मे शहर के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने ठा० वीरेन्द्र सिंह एवं संस्था को साथ देने का आश्वाशन दिया जिसने आन्दोलन का आगाज कर दिया गया। व्यापारी नेता यशपाल मैनी ने अपने विचार रखते हुए स्पष्ट रूप से आन्दोलन करने की बात रखी और किसी प्रकार की वार्ता करने परहेज करने की बात कही सभा में उपस्थित महेन्द्र तनेजा ने हकीकत नगर में बनाई जानी वाले फाइव स्टार रोड के भौतिक सत्यापन की बात कही जिसकों लखनउ के ठेकेदार पूर्व एक वर्ष से बना रहे है प्रवर्तन दल द्वारा व्यापारियो की पिटाई के विरूद्ध कार्यवाही हों यह तय होना चाहिए। और किसी की नही सुनते जिसकी घोर निंदा की गई तथा तनेजा ने आन्दोलन की सफलता का एक माध्यम बताया सभा में उपस्थित पार्षद पुनीत त्यागी ने स्पष्ठ कहा कि जीआईएस सर्वे के नोटिस के बिल को घटाना बढाना एक खेल के समान है 1000 रुपए के बिल को 10000 बनाना और फिर 2000 में सेटल करना सेटिंग का खेल हो गया है शीतल टंडन ने जीआईएस सर्वे को गलत बताते हुए शीघ्र वापिस लेने को कहा और जीआईएस सर्वे को प्रदेश का दुर्भाग्य बताया।

फास्ट ट्रैक

सरकार का सर्वशिक्षा अभियान का नारा खोखलाः पिंकी

ग्राम प्रधान ने बीएसए को सौंपा प्रार्थना पत्र

भारत संवाद

सहारनपुर। ग्राम प्रधान ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजे पत्र में प्राथमिक विद्यालय कपासी को मर्ज न करने प्रार्थना पत्र सौंपा। ग्राम पंचायत कपासी की ग्राम प्रधान पिंकी ने बीएसए को सौंपे पत्र में अवगत कराया कि उसकी ग्राम पंचायत ब्लाक बलियाखेडी में शसन द्वारा प्रा.वि. कपासी संचालित है, उक्त विद्यालय में गरीब, मजदूर वर्ग के बच्चे अध्ययनरत है। शासन द्वारा उक्त विद्यालय को मर्ज किये जाने की प्रक्रिया अपनायी जा रही है। यदि ऐसा होता है तो विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को दो से तीन किमी. की दूरी तय कर अन्य विद्यालयों में जाना पड़ेगा, जिससे उनकी शिक्षा पर गहरा असर पड़ सकता है। अधिकांश बच्चे शिक्षा के अभाव में घर बैठ जायेंगे। क्योंकि उनके अभिभावक अन्य स्कूलों में आने जाने के लिए खर्च वहन नहीं कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सरकार सर्व शिक्षा अभियान चलाकर सब पढ़े, सब बढे के नारे को बुलन्द कर रही है, दूसरी तरफ सरकारी स्कूलों को बन्द कर गरीब शिक्षा विरोधी फैसला ले रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने प्रा.वि.कपासी को मर्ज न किये जाने की मांग की है।

दुकान व जानमाल की सुरक्षा कराये जाने की मांग

भारत संवाद

सहारपुर। पीड़ित ने दुकान पर कब्जा करने व जानमाल की सुरक्षा कराये जाने की मांग को नगर मजिस्टेज्ट को प्रार्थना पत्र सौंप कर विपक्षी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है ।थाना जनकपुरी क्षेत्रान्तर्गत मौहल्ला खानआलमपुरा निवासी कलीम अहमद पुत्र सलीम अहमद ने प्रार्थना पत्र में बताया कि वह मौहल्ला चंद्रनगर में टेलरिंग का कार्य करता है। उसके पडौस में रहने वाले एक व्यक्ति उसकी दुकान कब्जाना चाहता है और तरह-तरह के षडयंत्र रचकर उसको तंग व परेशान कर रहा है तथा जान से मारने की धमकियां दे रहा है। आज विपक्षी उसकी दुकान पर तोड़फोड करने लगा जब यह बात उसको पता चली तो उसने विरोध किया तो विपक्षी ने उसे जान से मारने व देख लेने की धमकियां दी। उसने यह भी बताया कि उसने यह दुकान जिसका नगर निगम नं0 1/753ए है, बजरिये विक्रय पत्र 7.3.2011 में खरीद की हुई है।

रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सहारनपुर शाखा ने 77वें सीए डे के अवसर पर सामाजिक सरोकार से जुड़ी कई गतिविधियाँ आयोजित कीं ।कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण के साथ हुई। जिसमें ब्रांच चेयरमैन सीए शिवांशु गोयल, वाइस चेयरमैन सीए पंकज चुघ, सेक्रेटरी सीए आनंद मक्कड़ व कोषाध्यक्ष सीए सुनील तोमर सहित कई सदस्य शामिल रहे। सीए वीक के तहत वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान शिविर आयोजित किए गए ।मैक्स हॉस्पिटल की टीम ने स्वास्थ्य शिविर में निशुल्क परामर्श दिया, जिसमें डॉ. (कर्नल) आदनान मसूद, डॉ. आरुषि गर्ग और डॉ. अंजलि बागला शामिल रहीं ।बजोरिया रोड स्थित सिविल हॉस्पिटल में लगे रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। साथ ही अस्पताल परिसर में छबील लगाकर ठंडा जल वितरण भी किया गया। इस अवसर पर ब्रांच चेयरमैन सीए शिवांशु गोयल जी ने डॉ. अदनान मसूद से भेंट की और हेल्थ चेकअप कैंप के सफल आयोजन हेतु उनका धन्यवाद प्रकट किया ।अदनान मसूद ने सभी सीए विद्यार्थियों को नित्य जीवन में स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी सुझाव दिए एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत शाखा परिसर में संस्थान का ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर ब्रांच चेयरमैन सीए शिवांशु गोयल, वाइस चेयरमैन सीए पंकज चुग, सेक्रेटरी सीए आनंद मक्कड़, कोषाध्यक्ष सीए सुनील तोमर तथा अन्य सीए सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। शाखा की मैनेजिंग कमेटी ने सभी सीए सदस्यों, प्रतिभागियों और मैक्स हॉस्पिटल की टीम का आभार व्यक्त किया

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि चौधरी कालीचरण सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल अलीगढ़ की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक दल के समस्त सम्मानित कार्यकर्ता एवं समस्त सम्मानित ग्राम वासियों द्वारा चौपाल मीटिंग का हुआ आयोजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ इगलास विधानसभा क्षेत्र के गांव जैथोली में वार्ड नंबर 31 जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि चौधरी कालीचरण सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल अलीगढ़ की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक दल के समस्त सम्मानित कार्यकर्ता एवं समस्त सम्मानित ग्राम वासियों द्वारा चौपाल मीटिंग रखी गई जिसमें सर्व प्रथम परम श्रद्धेय स्व. चौधरी चरण सिंह पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार के चित्र पर माल्यार्पण किया/ मीटिंग की अध्यक्षता श्री सुग्रीव सिंह जी ने की तथा संचालन बहोरन सिंह ने किया वहां मीटिंग में उपस्थित लोगों ने कहा कि हमारे ग्राम में ग्रामीण पेयजल मिशन योजना के अंतर्गत गांव के रास्ते व खड़ंजे तथा सड़क खोद कर डाल दी हैं उनको आज तक सही नहीं कराया गया लोगों की निकलने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और अब बरसात के मौसम में तो और भी बुरा हाल है तथा कुछ लोगों ने शिकायत की गांव के मकान के छतो के ऊपर से 11000 वोल्टेज की लाइन जा रही है कई बार सैकड़ो लोगों ने बिजली घर हस्तपुर पर जाकर शिकायत कर चुके हैं लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी ने कोई भी समाधान नहीं किया है तथा गांव में स्थित रखा हुआ ट्रांसफॉर्म गांव की क्षमता के हिसाब से नहीं है जिसकी वजह से आए दिन खराब हो जाता है जिससे पढ़ने वाले बच्चों को भारी मुसीबत झेलनी पड़ रही है अंत में गांव जैथोली में एक पेंठ बाजार के लिए जिला पंचायत अलीगढ़ के द्वारा लाइसेंस दिलवाया जाए जिससे आसपास के ग्रामीण (लघु एवं मध्यम) किसानों को उचित दर पर सब्जी व घरेलू समान आदि खरीदने व बेचने का अवसर प्राप्त हो जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आय के साधन सुलभ होंगे /भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी का सपना साकार होगा व उनकी विचारधारा को साकार रूप मिलेगा मैंने वहां उपस्थित सभी लोगों को आश्वासन दिया की राष्ट्रीय लोकदल ही एक ऐसी पार्टी है जो किसान मजदूर युवा कमेरा वंचित दलित एवं छोटे व्यापारियों के हितों के लिए काम करती आ रही है तथा हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री माननीय जयंत चौधरी जी केंद्रीय मंत्री भारत सरकार दिन रात मेहनत कर रहे हैं मैंने कहा कि में अपने स्तर पर माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष महोदया जी को अवगत करा कर सभी समस्याओं का उचित स्तर से समाधान कराने के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ प्रयास करूंगा इस मौके पर श्री रवि करण सिंह पूर्व प्रधान ,रिंकू सिंह पूर्व प्रधान ,रघुराज सिंह ,जगराम सिंह पूर्व प्रधान ,रामदास सिंह रिंकू सिंह पूर्व प्रधान , सत्यपाल सिंह , ऋषि कुमार मास्टर जी,रविंद्र सिंह ,धांधू सिंह, हरपाल सिंह ,रोहित सिंह आदि सैकड़ो की संख्या में राष्ट्रीय लोक दल के सम्मानित कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी और गांव वासी उपस्थित रहे अंत में सभी ने एक स्वर में कहा कि हम सभी राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जयंत चौधरी जी के साथ पूरी मेहनत व निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे

लखपति दीदी योजना के क्रियान्वयन को लेकर डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित

जिले में अब तक 42347 दीदियां बनीं लखपति, जल्द ही 12 हजार और बनेंगी लखपति

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0 वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की शीर्ष प्राथमिकता वाली लखपति दीदी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए अंतर्विभागीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला स्वयं सहायता समूहों की आय को बढ़ाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित इस योजना के तहत अधिक से अधिक लाभार्थियों को स्वरोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएं। बैठक में सहायक विकास (आईएसबी) अधिकारियों समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने-अपने विभागों की योजनाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी साझा की और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सहयोग का आश्वासन दिया ।श्री रंजन ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिले में प्रत्येक दीदी को सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय दिलाना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। इसके लिए विभिन्न विभागों की योजनाओं का आपसी समन्वय आवश्यक है, ताकि प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, विपणन और तकनीकी सहयोग से महिलाओं को स्वावलंबी बनाया जा सके। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे ग्राम स्तर तक पहुंचकर स्वयं सहायता समूहों को जागरूक करें, उन्हें बाजार उपलब्ध कराएं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित अनुश्रवण कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) गौरव शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति (खाद्य अनुभाग और औषधि अनुभाग) की बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य)-कक द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा गतमाह की बैठक अनुपालन आख्या व विभिन्न एजेण्डा बिन्दुओं का विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग में मिड्डे मील, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बाल विकास पुष्टाहार के तहत खाद्य पदार्थों के नमूने लिये जाने तथा कृत कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि अब तक कुल 32 नमूनें जॉच हेतु इकट्ठे किये गये हैं, जिनमे से 08 की रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिसमें 03 अधोमानक पाये गये हैं। इसी प्रकार टी.एच.आर. प्लांट से कुल-30 नमूने एकत्रित किये गये हैं, जिनकी रिपोर्ट प्राप्त होना है। अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करते हुए उक्त के सम्बन्ध में समीक्षा कर ससमय कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रतिमाह लिये जाने वाले नमूनें के सम्बन्ध में सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि सभी के द्वारा प्रतिमाह 10 नमूनें एकत्रित किये जाते हैं। एक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को छोड़कर सभी के द्वारा लक्ष्य के अनुरूप नमूनें एकत्रित किये गये हैं। एडीएम(प्रशासन) द्वारा सम्बन्धित के द्वारा लक्ष्य के अनुरूप नमूना एकत्रित न किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया ।जनपद में दूध, मावा, पनीर, दही तथा घी आदि के निमार्ताओं/दुग्ध डेयरियों व प्रतिष्ठानों पर मिलावट आदि के सम्बन्ध में विभाग द्वारा कृत कार्यवाही से अवगत कराया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-कक द्वारा निरीक्षण के दौरान पुलिस बल उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गयी। इसी प्रकार खाद्य तेल, वनस्पति के नमूने इकट्ठे किये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के 06 दुकानों पर रियूज्ड ऑयल को के.एन.पी. फर्म रायबरेली द्वारा बायोडीजल निर्माण हेतु एकत्रित किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था सम्बन्धी जॉच समिति के मा0 सभापति ने अधिकारियों के साथ की बैठक

सभी उपकेन्द्रों पर अधिकारियों व लाइनमैनो के नाम व मोबाइल नम्बर सूची चस्पा कराना करें सुनिश्चित -मा0 सभापति

भारत संवाद

- 1912 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण किया जाए प्राथमिकता के आधार पर
- ट्रांसफार्मरों के मरम्मत का कार्य निर्धारित समय के अनुसार किया जाए सुनिश्चित
- जिलाधिकारी व विद्युत विभाग के अधिकारी मासिक समीक्षा बैठक कर उपभोक्ताओं के शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर करें

मीरजापुर - उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था सम्बन्धी जॉच समिति की बैठक जिला पंचायत सभागार में मा0 सभापति श्री दिनेश कुमार गोयल जी की अध्यक्षता आहूत की गयी। बैठक में मा0 सदस्य श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, मा0 सदस्य श्री रविशंकर सिंह (पप्पू भैय्या), मा0 सदस्य डॉ रतनपाल सिंह, मा0 सदस्य श्री जितेन्द्र सिंह सेंगर, मा0 सदस्य श्री विजय बहादुर पाठक, मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार एवं समिति के साथ आए हुए अधिकारी एवं विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहें। बैठक के दौरान मा0 सभापति व समिति के सदस्यगण ने ट्रांसफार्मर की मरम्मत, जनपद में औसत विद्युत आपूर्ति का विवरण, विद्युत उपभोक्ता लोड के अनुरूप ट्रांसफार्मर की स्थिति व उसके रख-रखाव की व्यवस्था, 1912 पर विद्युत से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व मीटर रीडिंग से से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व कार्यवाही के सम्बन्ध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की, बैठक के दौरान मा0 सभापति महोदय ने कहा कि विद्युत समस्या से सम्बन्धित उपभोक्ता द्वारा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय सुनिश्चित किया जाये, 1912 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण हेतु प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। कृषक बन्धुओं की आजीविका व कृषि खेती सुचारू ढंग से हो, इसके लिए विद्युत आपूर्ति निर्धारित समयावधि में की जाये, मा0 जनप्रतिनिधि द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, ट्रांसफार्मरों के मरम्मत का कार्य भी निर्धारित समय के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। मा0 सभा ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण, तहसील व जिला मुख्यालय पर मा0 मुख्यमंत्री जी के मंशानुरूप अनुमन्य घण्टे के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए,

पीटीए मार्ग के अलीगढ़-पलवल सेक्शन में भू-अर्जन से प्रभावित कोल एवं खैर के ग्रामों में 31 जुलाई तक बंटेगा प्रतिकर

एडीएम प्रशासन ने कार्मिकों की तैनाती कर शिविर लगाते हुए आवश्यक कार्यवाही के दिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पंकज कुमार ने बताया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334 अलीगढ़-पलवल सेक्शन के निर्माण एवं चौड़ीकरण में भू-अर्जन से प्रभावित तहसील कोल के 03 ग्रामों में एवं तहसील खैर के 28 ग्रामों में भू-स्वामियों को प्रतिकर की धनराशि वितरित की जानी है। उन्होंने बताया कि भू-अर्जन से प्रभावित उक्त ग्रामों के भू-स्वामियों को प्रतिकर की धनराशि वितरित किए जाने के लिए विभिन्न तिथियों में शिविर आयोजित किए जाने के लिए कार्मिकों की तैनाती कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 04 जुलाई को लोधा, बैरमगढ़ी, करसुआ में, 05 जुलाई को अण्डला, बढ़ौली फत्ते खां, अरार्ना में 07 जुलाई को रसूलपुर, मईनाथ, घरबरा में, 08 जुलाई को गनेशपुर, नगला अस्सू, मनोहरपुर कायस्थ में, 09 जुलाई को उसरह रसूलपुर, उदयगढ़ी, असरोई में, 10 जुलाई को बैरमगढ़ी, बांकनेर, कनौरा में, 11 जुलाई को जलालपुर, बुलाकीपुर, पड़ील में, 12 जुलाई को पड़ियावली, हरिरामपुर, खेड़िया बर्जुग में 14 जुलाई को उसरह रसूलपुर, पड़ियावली, मुकन्दपुर में, 15 जुलाई को हीरपुरा, मईनाथ, बढ़ौली फत्ते खां में, 16 जुलाई को लोधा, पड़ियावली में, 23 जुलाई को हीरपुरा, मईनाथ, बढ़ौली फत्ते खां में, 24 जुलाई को जलालपुर, बुलाकीपुर, पड़ील में, 25 जुलाई को खण्डेहा, सोतीपुरा, पड़ियावली में, 26 जुलाई को फाजिलपुर कलां, डोरपुरी, बढ़ौली फत्ते खां में, 28 जुलाई को लौहसरा विसावन, पड़ियावली, मुकन्दपुर में, 29 जुलाई को टप्पल, घरबरा, असरोई में, 30 जुलाई को लोधा, बैरमगढ़ी, करसुआ में, 31 जुलाई को कुराना, हामिदपुर, मनोहरपुर कायस्थ में शिविर लगाए जाएंगे।

एडीएम प्रशासन ने तैनात किए गए क्षेत्रीय लेखपाल, भूमि अध्याप्ति अमीन एवं भूमि अध्याप्ति सहायक को निर्देशित किया है कि अपने-अपने ग्रामों के फार्म-सीसी भरवाना एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, ताकि प्रतिकर वितरण की कार्यवाही यथाशीघ्र संपादित की जा सके।

हजरत कासिम अलैहिस्सलाम की शाहदत की याद मे मातमी जुलूस निकाला

भारत संवाद

सहारनपुर। हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के भतीजे व हजरत इमाम हसन अलैहिस्सलाम के बेटे हजरत कासिम अलैहिस्सलाम की शाहदत की याद मे मातमी जुलूस नगर में निकाला गया। हजरत इमाम हसन अलैहिस्सलाम ने अपनी जिन्दगी में हजरत कासिम अलैहिस्सलाम के बाजू पर एक ताबिज बांध दिया था और वसीयत की थी की जब हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम हजरत कासिम अलैहिस्सलाम को जंग लडने की इजाजत न दे तब यह ताबीज हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को दिखा देना तब हजरत इमाम हुसैन इजाजत दे देगे। मैदाने करबला मे हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने अपने भाई की निशानी को जंग लडने की इजाजत नही दी तब हजरत कासिम अलैहिस्सलाम ने इजाजत मागने के लिए हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को वह ताबीज दिखाया तो उसमे हजरत इमाम हसन अलैहिस्सलाम की वसीयत देख कर हजरत कासिम अलैहिस्सलाम को जंग की इजाजत दी और हजरत कासिम अलैहिस्सलाम ने इस्लाम की पनाह के लिए मैदाने करबला मे शहादत दी। उन्ही की याद मे मोहर्रम की 7 तारीख को मन्सूब कर दिया गया है। हजरत कासिम अलैहिस्सलाम की लाश को यजीद के लश्कर द्वारा घोडो की टापो से रौंदा गया। करबला के शहीद हजरत कासिम अलैहिस्सलाम की याद मे 7 मोहर्रम का जुलूस मातमी माहौल मे पूरी अकीदत के साथ निकाला गया करबला मे 7 मोहर्रम से हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के काफले का पानी बन्द कर दिया गया था करबला मे मौजूद जानवर, कुफ्फार, खुंखार दरिंदे सब पानी पी सकते थे लेकिन हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के काफिले वाले पानी नही पी सकते थे ।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

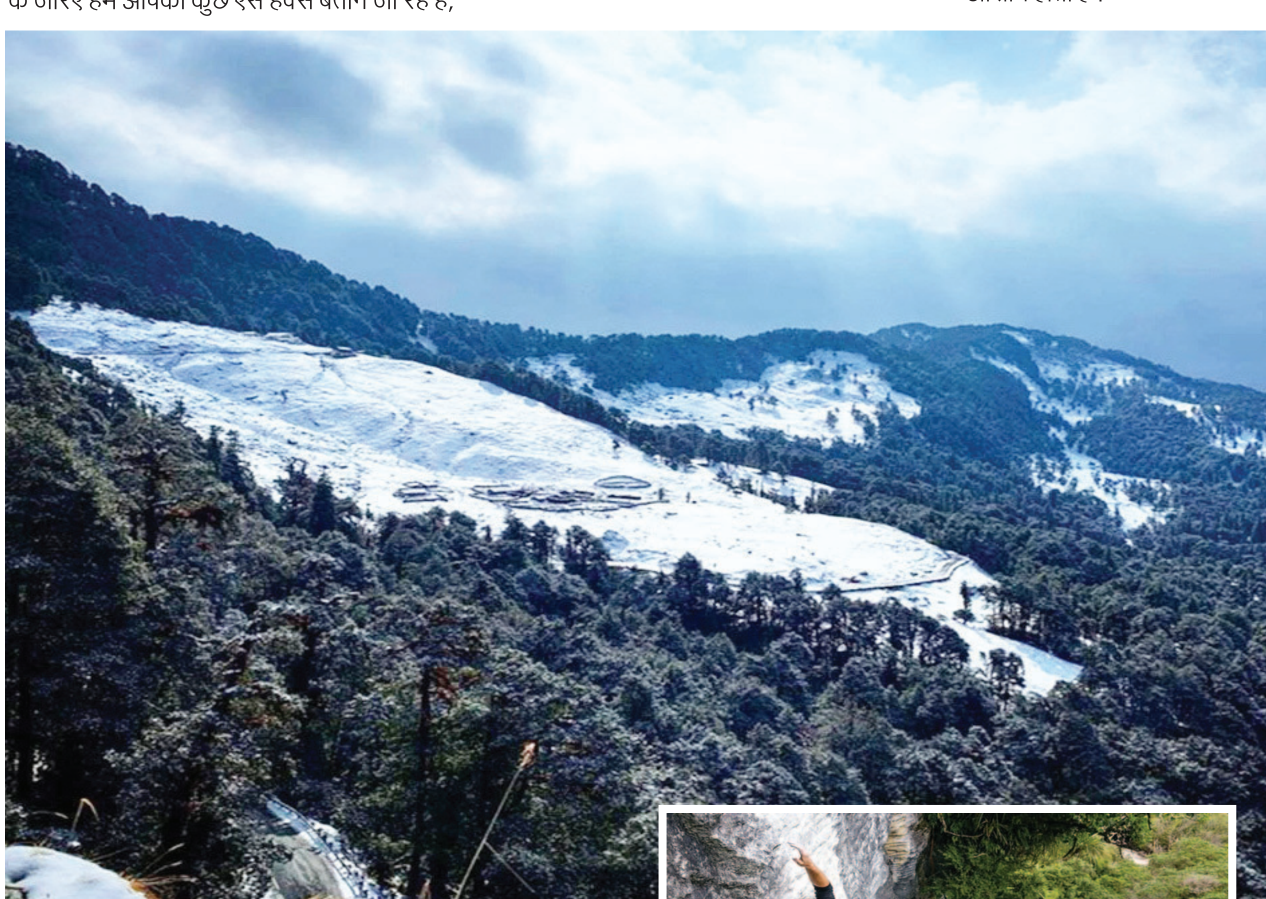

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को फभारत का मिनी इज़राइलफ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर: मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग: दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

थाईलैंड को दो दिन में दूसरा प्रधानमंत्री मिला

फुमथम वेचायाचाई को जिम्मेदारी, सूर्या 24 घंटे पीएम रहे; इससे पहले शिनावात्रा को कोर्ट ने हटाया था

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड को दो दिन में दूसरा प्रधानमंत्री मिला है। गृह मंत्री फुमथम वेचायाचाई ने गुरुवार को कार्यवाहक प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभालीं। उन्होंने 24 घंटे प्रधानमंत्री रहे सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट की जगह ली है। सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट को बुधवार को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। 70 साल के सूर्या ने निलंबित प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा की जगह ली थी, जिन्हें 1 जून को पद से हटाया गया था। पैतोंगतार्न शिनावात्रा के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के एक बड़े नेता के साथ फोन पर बातचीत की, जो सार्वजनिक हो गई और इसे मंत्री पद के नैतिक नियमों का उल्लंघन माना गया। थाई सरकार ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर बताया कि नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक में फुमथम को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाने पर सहमति बनी। यह बैठक तब हुई जब थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। पीएम

पाइतोंग्तार्न का कंबोडिया के नेता के साथ बातचीत का एक वीडियो लीक हो गया था। इसमें ढट पाइतोंग्तार्न, कंबोडिया के नेता हुन सेन को चाचा कहती है और थाई सेना प्रमुख को अपना विरोधी बताती हैं। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा विवाद चल रहा है। ऐसे में विपक्षी पार्टी ने इसे मुद्दा बना लिया। ढट पर कंबोडिया के सामने झुकने और सेना को कमजोर करने के आरोप लगे। सीमा विवाद के दौरान हुई इस टिप्पणी के कारण पैतोंगतार्न पर इसके चलते उनकी लोकप्रियता घटी, गठबंधन के कुछ साथी दलों ने साथ छोड़ दिया और हजारों लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए। कोर्ट ने कहा कि पाइतोंग्तार्न ने मंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन किया है। इसके बाद उन्हें पद से हटा दिया। थाईलैंड की राजनीति में पिछले 2 दशक से शिनावात्रा परिवार का बहुत गहरा असर रहा है। जितनी बार इस परिवार ने सत्ता में वापसी की, लगभग उतनी ही बार उन्हें विवादों और सत्ता से बाहर निकाले जाने का भी सामना करना पड़ा है। अब एक बार फिर यही कहानी दोहराई गई है। शिनावात्रा परिवार का राजनीतिक उदय 2001 में तब शुरू हुआ जब थाकसिन शिनवात्रा ने भारी जनसमर्थन के साथ प्रधानमंत्री पद संभाला। उन्होंने गरीबों व ग्रामीण लोगों के लिए सस्ता स्वास्थ्य, कर्ज और विकास योजनाएं शुरू कीं। थाकसिन की लोकप्रियता थाईलैंड के शहरी मध्यवर्ग, अमीर वर्ग और शक्तिशाली सेना के लिए चुनौती बन गई। 2006 में सेना ने तख्तापलट कर दिया और थाकसिन को सत्ता से बाहर कर दिया गया। उन पर भ्रष्टाचार और सत्ता का दुरुपयोग करने जैसे आरोप लगे। थाकसिन देश से बाहर चले गए और कभी कंबोडिया तो कभी दुबई में रहकर राजनीति पर दूर से पकड़ बनाए रखी। लेकिन उनकी लोकप्रियता खत्म नहीं हुई। उनके समर्थकों ने रेड शर्ट्स आंदोलन के जरिए थाईलैंड में सरकारों के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया। थाकसिन की बहन यिंगलक शिनवात्रा ने 2011 में ऐतिहासिक चुनाव जीतकर थाईलैंड की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने बड़े पैमाने पर चावल खरीद सब्सिडी योजना चलाई, जिससे ग्रामीण वोटर खुश हुए लेकिन सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ा।

जापान के टोकारा में 14 दिन में 1000 भूकंप

अब तक झटके जारी; जापान में अगले 30 साल में 3 लाख जानें जा सकती हैं

एजेंसी

टोक्यो, जापान के टोकारा द्वीपों के आसपास पिछले दो हफ्तों में 1000 से ज्यादा बार भूकंप आए हैं। जापान की मौसम एजेंसी के मुताबिक ये भूकंप 21 जून से शुरू हुए और अभी तक जारी हैं। बुधवार की रात लगभग 3 बजे यहां 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद एजेंसी ने बड़े झटको की चेतावनी जारी की है। साथ ही लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। टोकारा द्वीप में सिर्फ दो सप्ताह में इतने ज्यादा भूकंप क्यों आए, इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। भूकंप के बाद अभी तक किसी

जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। टोकारा द्वीप पर 21 से 30 जूलाई तक 740 भूकंप दर्ज किए गए, जिनमें ज्यादातर 5 या उससे ज्यादा की तीव्रता वाले भूकंप थे।

टोकारा के 12 द्वीपों में से 7 पर करीब 700 लोग रहते हैं। डेटा के अनुसार 23 जून को 183 भूकंप आए, जो एक दिन में आए सबसे ज्यादा भूकंप थे। 26 जून को यहां 15 और 27 जून को 16 बार भूकंप आए। लेकिन 28 जून को यह संख्या फिर से बढ़कर 34 और 29 जून को 98 हो गई। 30 जून को 62 भूकंप दर्ज किए गए। जापान के नोटो द्वीप में 2024 में आए भूकंप में करीब 600 लोग मारे गए थे। 2011 में 9.0 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 18 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। जापान सरकार ने अगले 30 साल में यहां 75-82 प्रतिशत तक भूकंप के तीव्र होने की चेतावनी दी है। अगर ऐसा हुआ तो 2.98 लाख लोग मारे जा सकते हैं और 2 ट्रिलियन डॉलर (167 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हो सकता है। अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल कहीं से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं और न ही भूकंप से सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है लेकिन जरूरत पड़ने पर लोगों को तैयार रहने के लिए कहा है।

ब्रिटेन की संसद में आंसू बहाती दिखीं वित्त मंत्री रीव्ज

रोने की वजह से पाउंड 1% गिरा, विपक्ष बोला- उनकी कुर्सी खतरे में

एजेंसी

लंदन, ब्रिटेन की वित्ता मंत्री रेचल रीव्ज बुधवार को संसद में रो पड़ीं। तब ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। रीव्ज के रोने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई लोगों ने उन्हें कमजोर बताया और उनकी आलोचना की। रीव्ज के रोने का नुकसान ब्रिटिश मार्केट पर तुरंत दिखा। पाउंड की कीमत डॉलर के मुकाबले 1% गिर गई। दरअसल, निवेशकों ने समझा कि चांसलर की कुर्सी खतरे में है। अक्टूबर 2022 के बाद यह पहली बार हुआ जब पाउंड में इतनी गिरावट हुई। उस वक्त प्रधानमंत्री लिज ट्रस के मिनी-बजट ने बाजार में जबरदस्त उथल-पुथल मचा दी थी और उसका नतीजा यह हुआ था कि ट्रस को अपने पद से हटना पड़ा था। इस बीच पीएम स्टार्मर ने रीव्ज का बचाव किया। उन्होंने कहा कि रीव्ज के आंसुओं का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि रीव्ज आने वाले कई सालों तक चांसलर बनी रहेंगी। वित्त मंत्री के रोने के पीछे क्या वजह थी, इसे लेकर कई तरह की बातें सामने आईं। कुछ लोगों ने कहा कि विपक्ष के तीखे सवालों ने उन्हें रुला दिया। हालांकि, उनके प्रवक्ता ने कहा कि यह उनका निजी मामला था। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि लेबर सांसदों

के साथ हुए विवाद की वजह से वो भावुक हो गईं। दरअसल, चांसलर रेचल रीव्ज और लेबर पार्टी के कई सांसदों के बीच विवाद इसलिए हुआ क्योंकि रीव्ज ने विकलांग और बेरोजगार लोगों को मिलने वाले कुछ फायदे में कटौती करने का प्रस्ताव रखा था। इस फैसले से लेबर पार्टी के बहुत से सांसद नाराज हो गए थे। उन्होंने संसद में उनका काफी विरोध किया। इस विवाद के बाद कीर स्टार्मर सरकार ने कटौती का फैसला वापस ले लिया, लेकिन इसका नुकसान यह हुआ कि सरकार को हर साल लगभग 5 बिलियन पाउंड का नुकसान उठाना होगा। अब संभावना ये बन गई कि इस नुकसान को पूरा करने के लिए उन्हें टैक्स बढ़ाना पड़ सकता है, जबकि उन्होंने पहले इसे बढ़ाने से इनकार किया था। वित्त मंत्री के अपने फैसले से पीछे हटने के मुद्दे पर विपक्ष हमलावर हो गया। विपक्षी कंजर्वेटिव नेता केमी बैडेनोच ने कहा कि सरकार में अब चांसलर का रोल खत्म हो चुका है। रीव्ज शायद ही अगले चुनाव तक चांसलर पद पर रहेंगी। पीएम स्टार्मर और चांसलर रीव्ज के झगड़े की अफवाह द मिरर के मुताबिक कई सूत्रों ने दावा किया कि चैंबर में आने से ठीक पहले प्रधानमंत्री स्टार्मर और चांसलर रीव्ज के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिससे वह परेशान हो गई थीं।

हालांकि प्रधानमंत्री और चांसलर के दफ्तर ने इस दावे को खारिज कर दिया। स्टार्मर से जब सरकार के कल्याणकारी फैसले में यू-टर्न को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका रीव्ज के आंसुओं से कोई रिश्ता नहीं है और यह पूरी तरह उनका व्यक्तिगत मामला है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वो उनकी निजता का सम्मान करते हैं और इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे।

इंडोनेशिया के बाली द्वीप के पास जहाज डूबा

65 लोगों को ले जा रहा था, 5 की मौत, 31 लापता, नौ बोट बचाव में जुटी

एजेंसी

इंडोनेशिया, इंडोनेशिया के बाली रिसॉर्ट द्वीप के पास गुरुवार को 65 लोगों को ले जा रही एक जहाज के डूबने से 5 लोगों की मौत हो गई और 29 को बचा लिया गया है। जबकि 31 लोग अब भी लापता हैं। केएमपी टुनु प्रतामा जया नामक ये जहाज पूर्वी जावा के केतापांग बंदरगाह से बाली के गिलिमानुक बंदरगाह जा रही थी, यह 50 किलोमीटर का सफर था। रवाना होने के करीब

30 मिनट बाद यह डूब गई। जहाज पर करीब 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे, साथ ही 22 वाहन भी थे, जिनमें कई ट्रक भी शामिल थे। सुरबाया बचाव एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा- जहाज स्थानीय समयानुसार रात के लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर डूबी। बचाव के लिए नौ बोट जिनमें टगबोट और इन्फ़्लेटेबल जहाज शामिल हैं, सक्रिय रूप से लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। दो मीटर तक ऊंची लहरों के कारण बचाव दल को लोगों को ढूंढने में परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी का कहना है कि जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक प्रयास जारी रहेंगे। इंडोनेशिया के मालुकु में 3 जनवरी 2025 को एक स्पीडबोट 2 नोना डूब गई थी। यह बोट सेराम भागियन बारात से अम्बोन जा रही थी। रास्ते में यह एक तैरते लकड़ी के लट्ठे से टकरा गई, जिससे इसका पतवार टूट गया और यह डूब गई। बोट में 30 यात्री सवार थे, जिनमें से 8 की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर घमासान

इंडिया ब्लॉक ने बताया गरीब विरोधी, चुनाव आयोग पर भाजपा को मदद देने का आरोप

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए गहन मतदाता सूची संशोधन अभियान का विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने विरोध किया है

एजेंसी

दिल्लीः बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे संक्षिप्त गहन मतदाता सूची संशोधन अभियान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है. विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने इस प्रक्रिया को ₹गरीब विरोधी, असंवेदनशील और पक्षपातपूर्ण करार देते हुए विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है. कांग्रेस, राजद और वाम दलों समेत इंडिया ब्लॉक के प्रमुख घटक दलों ने आरोप लगाया है कि यह प्रक्रिया 20% से अधिक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकती है.क्या है विवाद?चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है, जिसके तहत मतदाताओं को अपने नाम की पुष्टि के लिए कुछ विशेष दस्तावेज, विशेषकर माता-पिता का जन्म प्रमाण पत्र, जमा करने को कहा गया है.इंडिया ब्लॉक का कहना है कि यह प्रक्रिया न केवल जल्दबाजी में शुरू की गई है, बल्कि इसका उद्देश्य गरीब और हाशिये पर खड़े वर्गों को मतदाता सूची से बाहर करना है.इंडिया ब्लॉक तीखी प्रतिक्रियाकांग्रेसः बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश कुमार ने ईटीवी भारत से बात करते हुए कहा, हमारे द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चुनाव आयोग से हमें सकारात्मक जवाब नहीं मिला. हमने पैनल को बताया कि इस समय दक्षिण बिहार के लोग काम की तलाश में राज्य से बाहर होते हैं और उत्तर बिहार बाढ़ से प्रभावित रहता है. ऐसे में दस्तावेज इकट्ठा करना गरीबों के लिए असंभव है. राजेश कुमार ने आगे कहा, अगर यह प्रक्रिया नहीं रोकी गई, तो इंडिया ब्लॉक राज्यव्यापी अभियान चलाकर इसे जनविरोधी घोषित करेगा. राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि इस मुद्दे पर गठबंधन के भीतर चर्चा जारी है. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग का यह कदम भगवा पार्टी को अप्रत्यक्ष रूप से मदद करने वाला है. आम लोगों में इस प्रक्रिया को लेकर गहरा संदेह है. हम अपनी रणनीति जल्द साफ करेंगे.राजद नेता तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेताओं ने भी बीते दिनों इस मुद्दे पर लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आयोग की मंशा पर सवाल उठाए हैं.सीपीआई-एमएलवामपंथी नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने इस पूरी प्रक्रिया को ₹अचानक और अपारदर्शी₹ बताया. बिना किसी राजनीतिक दल से सलाह-मशविरा किए इस तरह का व्यापक संशोधन क्यों शुरू किया गया? इस अभियान को तुरंत रोका जाना चाहिए.

यूपी में स्कूलों के विलय के पीछे गहरी साजिश

अखिलेश बोले- शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है भाजपा

अखिलेश यादव ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक्स पर लिखा कि शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साज़िश की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा नीत उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के विलय के पीछे गहरी साजिश है। अखिलेश यादव ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक्स पर लिखा कि शिक्षा ही विकास की सबसे बड़ी कसौटी होती है। भाजपा सरकार में शिक्षा और शिक्षकों की जो उपेक्षा हो रही है उसके पीछे एक गहरी साज़िश

की ये आशंका बलवती हो रही है कि भाजपा आनेवाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है। सपा नेता ने दावा किया कि जो शिक्षित होता है वह सकारात्मक भी होता है और सहनशील भी, ऐसे लोग भाजपा की नकारात्मक राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं करते हैं। शिक्षा से ही उनमें चेतना आती है और वो उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि शिक्षा से जो आत्मविश्वास आता है वह भाजपा जैसे वर्चस्ववादी दल के विरोध का कारण बनता है, इसीलिए न होंगे स्कूल, न होगा भाजपा का विरोध। आज गाँवों में स्कूल बंद होंगे कल को भाजपा के संगी-साथी सेवा के नाम पर अपने स्कूल वहाँ खोलने के लिए पहुँच जाएँगे। जिससे वो अपनी दरारवादी सोच के बीज बो सकें। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा अपनी प्रभुत्ववादी सोच को बनाए रखने के लिए अशिक्षित व अवैज्ञानिक लोगों की ताली बजाती, थाली पीटती अनपढ़ों की भीड़ चाहती है। नकारात्मक सोच के लिए प्रभुत्ववादी, घोर स्वार्थी व अनपढ़ों का समर्थन चाहिए होता है। सच में शिक्षित व परमार्थ से प्रेरित एक चैतन्य व जागरूक व्यक्ति कभी भी भाजपा जैसी सोच का समर्थक नहीं हो सकता है। जितनी शिक्षा प्रसारित होगी उतनी ही भाजपाई राजनीति की जड़ कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि जो चीज निगाह से दूर हो जाती है, वो दिमाग से भी दूर हो जाती है। जब आसपास स्कूल ही नहीं दिखेंगे तो शिक्षा की साक्षात प्रेरणा ही समाप्त हो जाएगी। हमारा तर्क ये है कि जब 1 मतदाता के लिए बूथ बनाया जा सकता है तो 30 बच्चों के लिए स्कूल चलाया क्यों नहीं जा सकता है।

वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के लिए दूरसंचार विभाग की प्रौद्योगिकी का उपयोग करें बैंक : आरबीआई

बयान के अनुसार, ऐसे समय जब यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) पूरे भारत में सबसे पसंदीदा भुगतान प्रणाली बन गयी है, यह कदम लाखों नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने से बचा सकता है।

एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग की प्रौद्योगिकी का उपयोग करने को कहा है। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह कहा गया। दूरसंचार विभाग की यह प्रौद्योगिकी वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक उपकरण है। बैंक और वित्तीय संस्थान वास्तविक समय में वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) का उपयोग कर सकते हैं। यह वित्तीय धोखाधड़ी के मध्यम, उच्च या बहुत उच्च जोखिम के साथ उनके जुड़ाव के आधार पर मोबाइल नंबर को वर्गीकृत करता है। आंकड़े विभिन्न स्त्रोतों से एकत्र किये जाते हैं। इसमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी), दूरसंचार विभाग के चक्षु मंच और बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी शामिल है।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- इलेक्शन तक छात्रसंघ ऑफिस बंद रहेंगे

गैंगरेप केस में ममता सरकार से रिपोर्ट मांगी; बार काउंसिल से आरोपी की सदस्यता रद्द

पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने बुधवार को मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा की मेंबरशिप रद्द कर दी और उनका नाम वकीलों की सूची से हटा दिया। बार काउंसिल के चेयरमैन अशोक देब ने बताया कि गंभीर और अमानवीय अपराध के आरोपों के चलते आरोपी को बार काउंसिल की सूची से हटाया गया है।

एजेंसी

कोलकाता, कोलकाता हाईकोर्ट ने लॉ कॉलेज में गैंगरेप को लेकर दाखिल की गई तीन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। हाईकोर्ट ने बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से भी रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि छात्र चुनाव होने तक ये कमरे बंद रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कमरों का इस्तेमाल किसी भी काम के लिए नहीं किया जा सकता है। जरूरत होने पर वैध कारणों के साथ यूनिवर्सिटी

रजिस्ट्रार को आवेदन देना होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने बुधवार को मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा की मेंबरशिप रद्द कर दी और उनका नाम वकीलों की सूची से हटा दिया। बार काउंसिल के चेयरमैन अशोक देब ने बताया कि गंभीर और अमानवीय अपराध के आरोपों के चलते आरोपी को बार काउंसिल की सूची से हटाया गया है।

मामले का मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज के छात्र संघ के नाम पर गतिविधियां चलाता रहा है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम अनवरी बेगम से बदल कर अनवरी बानो पत्नी मो. मुस्तफा निवासी ग्राम बरईपुर राम नगर, पोस्ट श्रृंग्वेरपुर आनापुर, जनपद प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) पिनकोड- 228411 रख लिया है। अब मुझे अनवरी बानो के नाम से जाना व पहचाना जाए।

अनवरी बानो पत्नी मो. मुस्तफा निवासी ग्राम बरईपुर राम नगर, पोस्ट श्रृंग्वेरपुर आनापुर, जनपद प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) पिनकोड- 228411